संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक-332 गुरुवार,03 अक्टूबर 2024, पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपये

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा,तीन की मौत

» मणिपुर के उखरुल में भड़की जबरदस्त हिंसा...
» जमीन विवाद में दो पक्षों में फायरिंग...
» भारी गोलाबारी के बीच 3 की मौत...
» फायरिंग में 10 से ज्यादा हुए घायल...
» मणिपुर के ही चुराचांदपुर में उग्रवादी की हत्या

मणिपुर,02 अक्टूबर 2024(ए)। मणिपुर के उखरुल जिले में बुधवार को नगा समुदाय के दो पक्षों के बीच गोलीबारी हुई। इसमें 3 लोगों की मौत हो गई। 10 से ज्यादा घायल हैं। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 163, 2023 की उप-धारा 1 के तहत इलाके में निषेधाज्ञा लागू कर दी है। अगले आदेश तक लोगों के घरों से निकलने पर रोक है।
पुलिस ने बताया कि दोनों पक्ष नगा समुदाय के हैं, लेकिन हुनफुन और हंगपुंग नाम के दो अलग-अलग गांव हैं। दोनों पक्ष एक जमीन पर अपना दावा करते हैं। स्वच्छता अभियान के तहत विवादित जमीन की सफाई को लेकर दोनों पक्षों के बीच हिंसा हुई। इलाके में असम राइफल्स को तैनात किया गया है।

चुराचांदपुर में उग्रवादी की गोली मारकर हत्या

दूसरी तरफ, चुराचांदपुर जिले के लीशांग गांव के पास मंगलवार को अज्ञात लोगों ने एक प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन के टाउन कमांडर की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान जिले के कपरंग गांव के निवासी सेखोहाओ हाओकिप के रूप में की गई।पुलिस ने बताया कि मृतक यूनाइटेड कुकी नेशनल आर्मी का सदस्य था। घटना कल सुबह 12:15 बजे चुराचांदपुर में टोरबुंग बंगले से करीब 1.5 किमी दूर हुई। पुलिस ने हाओकिप के शव को चुराचांदपुर मेडिकल कॉलेज के मॉर्चुरी में रखवा दिया है।

थौबल में 48 घंटे का बंद,जनजीवन प्रभावित

इधर, मणिपुर के थौबल जिले में उग्रवादियों द्वारा दो युवकों की किडनैपिंग के विरोध में जॉइंट एक्शन कमेटी ने 48 घंटे का बंद बुलाया था। इससे मंगलवार, 1 अक्टूबर को सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ।पुलिस ने बताया कि उग्रवादियों ने 27 सितंबर को दो स्थानीय युवकों का अपहरण कर लिया था। इसे लेकर जेएसी ने 1 अक्टूबर को सुबह 3 बजे से बंद का आह्वान किया है। जेएसी ने 30 अक्टूबर की रात तक युवाओं को रिहा नहीं किए जाने पर विरोध-प्रदर्शन और जिले में पूर्ण बंद की धमकी दी थी। सोमवार को थौबल मेला ग्राउंड में विरोध-प्रदर्शन भी हुआ। प्रदर्शनकारियों ने नेशनल हाईवे भी जाम कर दिया।दरअसल, कुकी मिलिटेंट्स ने तीन युवकों को बंदी बनाया था, उनमें से एक को छोड़ दिया है। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि बाकी दोनों को भी छोड़ा जाए। प्रदर्शन में पीड़ितों के परिवार भी शामिल हुए। प्रदर्शन के दौरान पीड़ित थोकचोम थोइथोइबा की मां बेहोश हो गईं।जॉइंट एक्शन कमेटी के रिप्रेजेंटेटिव ने सीएम एन बीरेन सिंह से मुलाकात की। उनका कहना है कि राज्य सरकार को दी गई समय सीमा सोमवार दोपहर 1:30 बजे ही खत्म हो चुकी है। इसलिए वे विरोध-प्रदर्शन के लिए बाहर जा रहे हैं।

क्या था मणिपुर में हिंसा की वजह...

मणिपुर की आबादी करीब 38 लाख है। यहां तीन प्रमुख समुदाय हैं- मैतेई, नगा और कुकी। मैतई ज्यादातर हिंदू हैं। नगा-कुकी ईसाई धर्म को मानते हैं। एसटी वर्ग में आते हैं। इनकी आबादी करीब 50 प्रतिशत है। राज्य के करीब 10 प्रतिशत इलाके में फैली इंफाल घाटी मैतेई समुदाय बहुल ही है। नगा-कुकी की आबादी करीब 34 प्रतिशत है। ये लोग राज्य के करीब 90 प्रतिशत इलाके में रहते हैं।
कैसे शुरू हुआ विवाद:- मैतेई समुदाय की मांग है कि उन्हें भी जनजाति का दर्जा दिया जाए। समुदाय ने इसके लिए मणिपुर हाई कोर्ट में याचिका लगाई। समुदाय की दलील थी कि 1949 में मणिपुर का भारत में विलय हुआ था। उससे पहले उन्हें जनजाति का ही दर्जा मिला हुआ था। इसके बाद हाई कोर्ट ने राज्य सरकार से सिफारिश की कि मैतेई को अनुसूचित जनजाति में शामिल किया जाए।
मैतेई का तर्क क्या है:- मैतेई जनजाति वाले मानते हैं कि सालों पहले उनके राजाओं ने म्यांमार से कुकी को युद्ध लड़ने के लिए बुलाया था। उसके बाद ये स्थायी निवासी हो गए। इन लोगों ने रोजगार के लिए जंगल काटे और अफीम की खेती करने लगे। इससे मणिपुर ड्रग तस्करी का ट्राएंगल बन गया है। यह सब खुलेआम हो रहा है। इन्होंने नागा लोगों से लड़ने के लिए आर्म्स ग्रुप बनाया।

छात्रों के सड़क पर प्रदर्शन को लेकर हाई कोर्ट ने दायर की जनहित याचिका

» सरकार से पूछे सवाल और शपथपत्र में जवाब पेश करने का दिया निर्देश

बिलासपुर,02 अक्टूबर 2024(ए)। दो दिनों पूर्व राजधानी रायपुर के सड्डू में संचालित प्रयास आवासीय विद्यालय में शिक्षकों और बुनियादी सुविधाओं की मांग को लेकर छात्रों ने सड़क पर प्रदर्शन किया था। इस खबर को हाई कोर्ट ने संज्ञान में लेते हुए जनहित याचिका के तौर पर सुनवाई शुरू कर दी है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा व जस्टिस बीडी गुरु की डीविजन बेंच ने चीफ सिकरेट्री को शपथ पत्र के साथ जवाब पेश करने का निर्देश दिया है।

कोर्ट ने जताई नाराजगी

चीफ जस्टिस सिन्हा की बेंच ने नाराजगी जताते हुए कहा कि संस्थानों में पुस्तकों और बुनियादी सुविधाओं की कमी के खिलाफ विरोध करने के लिए छात्रों का सड़क पर आना परेशान करने वाली बात है। समझ से परे हैं कि इस पूरे मामले में प्रबंधन क्या कर रहा था।

सड़क पर छात्रों के आने की अनुमति कैसे दी..?

सीजे ने सवाल पूछा कि छात्रों को विरोध करने के लिए सड़क पर आने की अनुमति क्यों दी जा रही है? उन्होंने मुख्य सचिव को मामले की जांच कर शपथ पत्र देने का निर्देश दिया है। चीफ जस्टिस ने ये भी कहा कि भविष्य में इस तरह की कोई घटना हाई कोर्ट के सामने न आए।

स्टूडेंट्स अपने पैरेंट्स के जरिये मुद्दे उठायें

डीविजन बेंच ने कहा कि यदि संस्थानों में बुनियादी सुविधाओं की कमी, अनियमितता है, तो छात्र अपने अभिभावकों के माध्यम से संबंधित अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। इस जनहित याचिका की अगली सुनवाई 7 अक्टूबर को होगी।

देश की संक्षिप्त खबरें

स्वच्छ भारत अभियान के 10 साल पूरे होने पर पीएम मोदी ने लोगों का किया धन्यवाद

नई दिल्ली,02 अक्टूबर 2024(ए)। स्वच्छ भारत अभियान के 10 वर्ष पूरे होने के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की जनता को संबोधित किया। इस मौके पर उन्होंने अभियान की सफलता के लिए लोगों को धन्यवाद दिया और कहा कि स्वच्छ भारत अभियान एक जन आंदोलन बन चुका है।

आईएएस कोटा संभागीय आयुक्त राजेंद्र विजय को सरकार ने किया एपीओ

जयपुर,02 अक्टूबर 2024(ए)। आय से अधिक संपत्ति के मामले में आईएएस कोटा संभागीय आयुक्त राजेंद्र यादव को सरकार ने तत्काल प्रभाव से एपीओ कर दिया है।

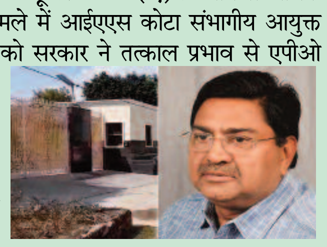

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बुधवार सुबह ही आईएएस राजेंद्र विजय के ठिकानों पर छापे की कार्रवाई की जो अब तक जारी है। इस कार्रवाई ने एक बार फिर सरकारी तंत्र पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पुणे में उड़ान भरते की क्रैश हुआ हैलीकॉप्टर,2 पायलट समेत तीन लोगों की मौत

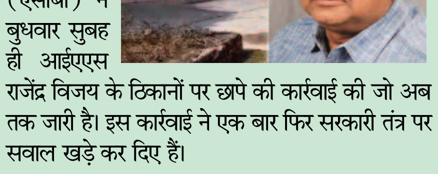

पुणे ,02 अक्टूबर 2024(ए)। महाराष्ट्र के पुणे के पिंपरी चिंचवड शहर के बावधन बुद्रुक गांव के पास बुधवार को एक प्राइवेट हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया। स्थानीय ग्रामीणों ने हेलीकॉप्टर क्रैश होकर गिरने की सूचना हिंजेवाडी पुलिस कंट्रोल रूम को दी। कंट्रोल रूम को बताया गया कि हेलीकॉप्टर में सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हैं। सूचना मिलते ही पुलिस और मेडिकल टीम घटनास्थल की ओर रवाना हुई। हालांकि, ताजा जानकारी के अनुसार, हेलीकॉप्टर में सवार तीनों व्यक्तियों की मौत हो गई है।

राजस्व विभाग में हुआ घोटाले का उजागर

बिलासपुर,02 अक्टूबर 2024(ए)। न्यायधानी बिलासपुर में बीते कई सालों में राजस्व विभाग के पटवारी से लेकर तहसीलदारों ने जो घोटाले किये हैं, वे बरी-बरी से उजागर होते जा रहे हैं। इस बार जिले के पचपेड़ी तहसील स्थित एक गांव की 9 एकड़ 44 डिसमिल भूमि को दूसरे व्यक्ति के नाम पर चढ़ाने वाले तत्कालीन नायब तहसीलदार के खिलाफ निलंबन का प्रस्ताव भेजने के निर्देश कलेक्टर अवनीश शरण ने दिए हैं। इसके साथ ही नायब तहसीलदार के विरुद्ध एफआईआर की कार्यवाही के निर्देश भी एसडीएम मस्तूरी को दिए गए हैं।

9 एकड़ जमीन की हुई हेराफेरी

पचपेड़ी तहसील के ग्राम भुरकुंडा सूर्यवंशीपारा स्थित गौरीबाई एवं अन्य की 9 एकड़ 44 डिसमिल जमीन को तत्कालीन नायब तहसीलदार रमेश कुमार कमार (वर्तमान में जीपीएम जिला में नायब तहसीलदार) ने अपने क्षेत्राधिकार से बाहर जाकर वाद भूमि को निजी भूमि के रूप में दर्ज करने का आदेश पारित किया था। उक्त जमीन को पटवारी ने अपने प्रतिवेदन में निस्तार पत्रक में दर्ज होना बताया हैं। उक्त भूमि को विक्रम सिंह पिता हेमलाल निवासी धनगवा के नाम दर्ज कर दिया गया। जिसकी शिकायत टीएल की बैठक में मिली थी।

एसडीएमकी जांच में उजागर हुआ पूरा मामला

कलेक्टर अवनीश शरण ने मस्तूरी एसडीएम को जांच के निर्देश दिए थे। जांच में जानकारी लगी कि 24 सितंबर 2021 को ज्ञापन जारी कर हल्का पटवारी को 7 दिनों में बी-1, खसरा समेत पालन-प्रतिवेदन प्रस्तुत करने हेतु ज्ञापन जारी किया गया है। जिसके परिपालन में पटवारी ने रिकार्ड दुरस्त किया है।

कार्यालय से दस्तावेज हैं गायब

तत्कालीन नायब तहसीलदार द्वारा प्रकरण की सत्यापित दस्तावेज जांच के दौरान उपलब्ध नहीं करवाए गए। तहसीलदार पचपेड़ी द्वारा मौखिक रूप से प्रकरण कार्यालय में उपस्थित नहीं होने और मूल प्रकरण के भौतिक रूप से कार्यालय में नहीं होने की जानकारी दी गई।
एसडीएम मस्तूरी की जांच रिपोर्ट को कलेक्टर ने ज्वाइंट कलेक्टर मनीष साहू से परीक्षण करवाया। फिर कार्यवाही हेतु एसडीएम को निर्देशित किया।

चुनाव के वक्त राम रहीम को क्यों मिलती रही है पैरोल

4 साल में 10 बार जेल से बाहर आया

चंडीगढ़,02 अक्टूबर 2024(ए)। डेरा सच्चा सौदा के प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह को एक बार फिर से पैरोल मिल गई है। हरियाणा में वोटिंग से पहले राम रहीम की 20 दिन की पैरोल मंजूर हो गई है। पैरोल की शर्त है कि इस अवधि के दौरान राम रहीम हरियाणा से बाहर रहेगा। हालांकि, चुनाव से ठीक पहले राम रहीम को मिली पैरोल पर एक बार फिर से सवाल उठने लगे हैं।

4 साल में 10वीं बार जेल से बाहर

साध्वियों से बलात्कार और पत्रकार रामचंद्र छत्रपति की हत्या के मामले में रमीत राम रहीम सिंह उम्रक़ैद की सजा काट रहा है। डेरा सच्चा सौदा प्रमुख राम रहीम एक बार फिर से पैरोल पर बाहर आ गया है। हालाँकि ये एक संयोग है या एक प्रयोग था कि हरियाणा चुनाव इससे से कुछ दिन पहले ही बाबा राम रहीम को पैरोल मिली है बाबा राम रहीम अक्टूबर 2020 सिर्फ़ सितंबर 2024 तक दस बार जेल से बाहर आ चुका है।पिछले नौ महीने में तीसरी बार पेश राम रहीम एक बार फिर से पैरोल पर बाहर है।
इसे संयोग कहें कि बाबा राम रहीम अभी तक 10 बार जेल से बाहर आया जिनमें से छह बार हरियाणा में चुनाव थे। 7-8 फरवरी को 21 दिन की पैरोल मिली 26 फरवरी को पंजाब में विधानसभा चुनाव थे। फिर 17 जून को 30 दिन की पैरोल मिली तब 19 फरवरी को हरियाणा नगर निगम के चुनाव थे। उसके बाद फिर 15 अक्टूबर को 40 दिन की पैरोल मिली तब आदमपुर सीट पर उपचुनाव थे। फिर भी जुलाई में 30 दिन की पैरोल मिली तब 13 अगस्त को हरियाणा के

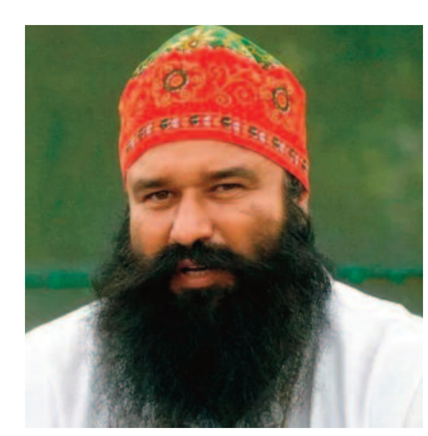

तीन ज़िलों में पंचायत चुनाव थे। 21 नवंबर को पैरोल मिली और 25 नवंबर को राजस्थान में विधानसभा चुनाव थे। और अब दो अक्टूबर को एक बार फिर राम रहीम पैरोल पर बाहर है जब पांच अक्टूबर को हरियाणा विधानसभा चुनाव है।

कांग्रेस ने किया विरोध

हालांकि, इस बार हरियाणा कांग्रेस ने चुनाव आयोग को पत्र लिखकर बाबा राम रहीम को मिली पैरोल का विरोध किया है लेकिन आज जब देश कांग्रेस के नेताओं इससे इस बारे में पूछा गया तो देश वह इसका जवाब टालते हुए नज़र आए। भले ही हरियाणा कांग्रेस ने चुनाव आयोग को पत्र लिखकर इसकी शिकायत दर्ज करवाई हो लेकिन खुलकर वो इस पर बोलने के लिए तैयार नहीं हैं क्योंकि राजनीतिक पार्टियां जानती है कि अगर खुलकर इसका विरोध किया तो चुनाव में इसका खामियाजा भी भुगतना पड़ सकता है।

भारत को करनी पड़ेगी अगली महामारी से निपटने की तैयारी

नीति आयोग की रिपोर्ट आने वाले खतरों को बता रही है

नई दिल्ली,02 अक्टूबर 2024(ए)। इलाज के लिए सड़कों पर लेटे मरीज, शमशान के बाहर लगी लंबी कतारें, नदियों में बहती लाशें, ऑक्सीजन सिलेंडर के लिए भटकते लोग...कोविड महामारी के इस मंजर को सोचकर आज भी लोगों के रोंगटे खड़े हो जाते हैं। चार साल बाद भी कोरोना महामारी के जख्म ताजा हैं। कोविड संकट के दौरान कई परिवार उजड़ गए थे। अपनों को खोने का गम आज भी पीड़ित परिवारों को रह-रहकर सताता है। इस बीच एक रिपोर्ट सामने आई है। इस रिपोर्ट में आने वाली महामारियों को लेकर स्वास्थ्य संस्थानों और संगठनों को ऐक्टिव रहने के लिए चेताया गया है।

100 दिनों के अंदर हो महामारी पर बड़ा ऐक्शन

नीति आयोग की ओर से गठित एक एक्सपर्ट ग्रुप ने भविष्य में आने वाली स्वास्थ्य आपात स्थितियों या महामारियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए एक व्यापक ढांचा स्थापित करने की सिफारिश की है।

सरकारी अस्पतालों की बदहाली एक बार फिर हुई उजागर

बिलासपुर,02 अक्टूबर 2024(ए)। प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में सभी प्रकार की सुविधाएं मुहैया कराने का दावा भले ही यहां के स्वास्थ्य मंत्री कर रहे हों, मगर हालात अच्छे नहीं हैं। न्यायधानी बिलासपुर के जिला अस्पताल की बदहाली का आलम यह है कि यहां बिजली के अचानक चले जाने से अस्पताल में पड़े जनरेटरों को स्टार्ट नहीं किया जा सका और यहां डॉक्टरों को मोबाइल टॉर्च की रौशनी में महिलाओं का नसबंदी ऑपरेशन करना पड़ा।व्यवस्था के मामले में दूसरा नंबर बिलासपुर के जिला अस्पताल का है, जहां कल महिलाओं की नसबंदी का ऑपरेशन चल रहा था। इस बीच बिजली गुल हो गई। बताया जा रहा है कि इसके बाद जिला अस्पताल में लगे जनरेटर्स को चालू करने का प्रयास किया गया, मगर तब पता चला कि अस्पताल में 7 जनरेटर रखे हुए हैं, मगर इनमें से किसी भी जनरेटर को चालू नहीं किया जा सका।

बिहार के मुजफ्फरपुर में वायुसेना का हेलीकॉप्टर बाढ़ के पानी में गिरा

पटना,,02 अक्टूबर 2024(ए)। कोसी समेत कई नदियों के जलस्तर में भारी वृद्धि के बाद बिहार के कई जिले इस वक्त भीषण बाढ़ से जूझ रहे हैं। बाढ़ के बीच सरकार की ओर से राहत कार्य चलाए जा रहे हैं। इस बीच बिहार के मुजफ्फरपुर में वायुसेना का हेलीकॉप्टर हादसे का शिकार हो गया है। जानकारी के मुताबिक, वायुसेना का हेलीकॉप्टर बाढ़ के पानी में गिरा है। ये हेलीकॉप्टर यहां बाढ़ राहत के सामान लेकर पहुंचा था। इसी दौरान ये हादसे का शिकार हो गया और पानी में जा गिरा। भारतीय वायुसेना ने भी बिहार में हेलीकॉप्टर हादसे के बारे में जानकारी दी है। वायुसेना ने बताया है कि एक एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर को बिहार के सीतामढी सेक्टर में बाढ़ राहत कार्यों के दौरान एहतियातन लैंडिंग करनी पड़ी। में लैंडिंग करनी पड़ी। हेलीकॉप्टर में दो पायलट सहित तीन कर्मी सवार थे जो सुरक्षित हैं। वायुसेना ने कहा है कि इस मामले में अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है।

संपादकीय

चीन विरोधी रुख क्वॉड-2024 में मुख्य थीम

बाइडेन ने अपना चीन विरोधी रुख दो-टूक व्यक्त किया। कहा कि चीन हर मोर्चे पर हमारा इम्तिहान ले रहा है। चीन की चुनौती और इंडो-पैसिफिक में उसके बढ़ते कथित दबदबे से निपटना क्वॉड-2024 में मुख्य थीम बना रहा।वैसे तो अमेरिका के डेलवेयर में आयोजित क्वॉड्रीलेटरल सिक्युरिटी डायलॉग (क्वॉड) शिखर सम्मेलन की विदाई बैठक कहा गया था, लेकिन यहां इसके सदस्य देशों ने चीन के खिलाफ सख्त रुख अपनाया। इसे विदाई बैठक इसलिए कहा गया, क्योंकि यह अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा की इसमें आखिरी भागीदारी थी। अगले कुछ महीनों में दोनों अपने पद से रिटायर्ड हो जाएंगे। लेकिन जाते-जाते बाइडेन ने अपना चीन विरोधी रुख दो-टूक व्यक्त किया। कहा कि चीन हर मोर्चे पर हमारा इम्तिहान ले रहा है। चीन की चुनौती और इंडो-पैसिफिक में उसके बढ़ते कथित दबदबे से निपटना क्वॉड-2024 में मुख्य थीम बना रहा। जारी साझा बयान में कहा गया- हम विवादित पक्षों के सैन्यीकरण और दक्षिणी चीन सागर में बलपूर्वक और धमकाने वाले पैतरों पर गंभीर चिंता जाहिर कर रहे हैं। इसके बावजूद क्वॉड नेता चीन का सीधे नाम लेने से बचे।यहां तक कि बाइडेन ने बैठक में जब कहा कि चीन लगातार आक्रामक बर्ताव कर रहा है और समूचे क्षेत्र में हमें जांच रहा है', तो बताया गया कि ये टिप्पणी सार्वजनिक तौर पर नहीं की जानी थी। लेकिन संभवतः बाइडेन का माइक्रोफोन गलती से ऑन रह जाने की वजह से यह सबको सुनाई दे गया। उधर प्रधानमंत्री मोदी ने यह जिक्र करना जरूरी समझा कि क्वॉड किसी देश विशेष के खिलाफ नहीं है। उन्होंने पहले की ही तरह क्वॉड को सकारात्मक एजेंडे से संचालित बताने की कोशिश की। वैसे मोदी ने कहा कि क्वॉड मुक्त और खुले इंडो-पैसिफिक क्षेत्र का समर्थन करता है। उन्होंने कहा- मुक्त, खुला हुआ, समावेशी और संपन्न इंडो-पैसिफिक हमारी प्राथमिकता है। हम किसी के विरुद्ध नहीं हैं। हम सभी नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था, संप्रभुता के लिए सम्मान, भूभागीय अखंडता और सभी मसलों के शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन करते हैं। बातों का मतलब साफ है। निशाना चीन ही है। तटरक्षकों के साझा अभ्यास पर सहमति भी चीन केंद्रित ही है। फिर भी चीन का सीधे नाम लेने में हिचक क्यों है, यह समझना रहस्य बना हुआ है। क्या यह भारत की ब्रिक्स और एससीओ जैसे मंचों पर भी उपस्थिति की सीमाओं के कारण है?

स्वच्छ भारत मिशन-शहरी कचरा प्रबंधन का ब्लू-प्रिंट

हमारा देश अब स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) की दसवीं वर्षगांठ मनाने जा रहा है। यह एक परिवर्तनकारी दशकीय यात्रा रही है, जिसके बारे में विचार करने पर प्रभाव बेहद गहरे नजर आते हैं। एक ऐसा मिशन जिसने भारत में स्वच्छता और सफाई के नए पैमाने स्थापित कर एक नई परिभाषा गढ़ी है। 2 अक्टूबर 2014 को शुरू किया गया यह मिशन केवल एक पहल नहीं, बल्कि एक आंदोलन था जो हर एक नागरिक को स्वच्छ, स्वस्थ और विकसित भारत' में योगदान देने का आह्वान। आज, एसबीएम ने अपना फोकस केवल शौचालयों के निर्माण और उन तक नागरिकों की पहुंच को बढ़ाने तक ही सीमित नहीं रखा है, बल्कि इसमें विभिन्न समुदायों के लिए प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन पद्धतियां अपनाने के बारे में स्पष्ट रूप से मार्गदर्शन को भी शामिल किया है। यह बदलाव स्वच्छता के लिए जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देता है, सभी व्यक्तियों को अपने समाज की भलाई में सक्रिय रूप से योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करता है। हमारे प्रधानमंत्री ने इस पहल को आगे बढ़ाया, जिसके परिणामस्वरूप भारत खुले में शौच से मुक्त हुआ और हमारे समुदायों में जनभागीदारी की अनोखी अलख जगी।शहरी क्षेत्रों में, एसबीएम ने अपशिष्ट प्रबंधन के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण का नेतृत्व किया है। कुशल अपशिष्ट पृथक्करण प्रणालियों के कार्यान्वयन से लेकर अपशिष्ट-से-ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना तक, देश भर के शहरों ने आज अभिनव समाधान अपनाए हैं, जो कि वर्ष 2014-2024 के बीच हमारे माननीय प्रधानमंत्री कुशल मार्गदर्शन में दूरदर्शी नेतृत्व और अथक प्रयासों से ही संभव हुआ है।स्वच्छ सर्वेक्षण के रूप में एक वार्षिक स्वच्छता सर्वे की शुरूआत हुई, जिसने शहरों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दिया। इसने शहरों को सफाई और स्वच्छता संबंधी मानकों का स्तर बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया है, साथ ही स्वच्छता को स्वास्थ्य, शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण के साथ जोड़ा है।स्वच्छ भारत मिशन के मूल में समाज के हर वर्ग और समुदायों की सक्रिय भागीदारी है। स्कूली बच्चों से लेकर महिला समूहों तक, सभी नागरिक स्वच्छता के प्रहारी बन गए हैं। राज्य सरकारों ने स्थानीय स्तर पर राष्ट्रीय नीतियों को लागू किया है और स्वच्छता को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश स्थापित किए हैं। उन्होंने सार्वजनिक शौचालयों और अपशिष्ट प्रबंधन सुविधाओं जैसे आवश्यक बुनियादी ढांचे के निर्माण के साथ शहरों में विशिष्ट स्वच्छता संबंधी रणनीतियां तैयार की हैं। साथ ही, नगरपालिका कर्मचारियों और सफ़ाई कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से क्षमता निर्माण में भी निवेश किया गया है। राज्यों ने निरंतर प्रगति को ट्रैक करने और उसके आवश्यक समायोजन के लिए मजबूत निगरानी और मूल्यांकन तंत्र के साथ स्तर को बेहतर बनाया है, और स्वच्छ सर्वेक्षण का एक उपकरण के रूप में उपयोग किया है। विभिन्न क्षेत्रों के साथ सहयोग करके, मिशन ने स्थानीय निकायों, गैर सरकारी संगठनों और नागरिकों को एक साझा लक्ष्य की दिशा में मिलकर काम करने के लिए सशक्त बनाया है। पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप पर जोर देने के साथ-साथ संसाधन जुटाने और तकनीकी क्षेत्र में इनोवेशन प्रोसेस को आसान बनाया गया है, जिससे स्वच्छता संबंधी समाधान अधिक सुलभ और स्थायी बन गए हैं। इसके अतिरिक्त, सफाई मित्र सुरक्षा शिविर जैसी पहल हमारे स्वच्छता नायकों को स्वास्थ्य जांच की सुविधा प्रदान करती हैं और उनको मिलने वाली सामाजिक सुरक्षा के लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाती हैं, जो सामुदायिक स्वास्थ्य की दिशा में भी मिशन के व्यापक दृष्टिकोण पर जोर देती हैं। यह सुनिश्चित करना बेहद महत्वपूर्ण है कि स्वच्छता सेवाएं, समाज के बेहद पिछड़े वर्ग के लोगों के लिए भी समावेशी एवं न्यायसंगत हों और एसबीएम ने यह काम सफलतापूर्वक किया है। इसी तरह के उदाहरणों में से एक है, जिसे मैंने भी करीब से देखा है और यह छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के अंबिकापुर में हुआ है। एक विकेंद्रीकृत अपशिष्ट प्रबंधन योजना के साथ लगभग 200,000 निवासियों वाले इस शहर ने लैंडफिल पर जाने वाले कचरे को प्रभावी रूप से घटाने का काम किया है और स्रोत पर ही इसके लिए विशेष प्रबंध किया गया है, जिसे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता भी प्राप्त हुई है। इस सफलता का एक प्रमुख हिस्सा 470 सफाईकर्मियों का एक समर्पित समूह है, जो शहर में अपशिष्ट प्रबंधन के लिए एक प्रशिक्षित सजग महिलाओं का एक समूह है। उनके प्रयासों से अंबिकापुर नगर पालिका को न केवल राजस्व अर्जित करने में सफलता मिली है, बल्कि उस राजस्व को पुन सामुदायिक सेवाओं में निवेश करने में भी मदद मिली है, जिससे समावेशी रणनीतियों के सामाजिक-आर्थिक लाभ भी दिखाई दिए हैं।अंबिकापुर में महिलाएं कचरा प्रबंधन की पूरी प्रक्रिया को संचालित करती हैं - संग्रह और पृथक्करण से लेकर प्रसंस्करण तक - वे कचरे को दायित्व के बजाय संसाधन के रूप में देखती हैं। यह मानसिकता रीसाइक्लिंग और मैटेरियल रिकवरी को प्रोत्साहित करती है, जिससे कचरा चक्र में आने वाले लूप प्रभावी रूप से बंद हो जाते हैं। समुदाय को जिम्मेदार कचरा निपटारे के बारे में शिक्षित करके, वे पर्यावरण रखरखाव में सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देते हैं, आर्थिक अवसरों को खोलते हैं और स्थायी अभ्यासों को आगे बढ़ाते हैं। इस तरह निचले स्तर से विचार और काम शुरू करते हुए आज राज्यों को कचरा प्रबंधन में उल्लेखनीय प्रगति करने में सक्षम बनाया गया है।अंबिकापुर की महिलाओं के नेतृत्व में स्वच्छता' संबंधी पहल प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन रणनीतियों को लागू करने की चाह रखने वाले टियर- और टियर-3 श्रेणी के शहरों के लिए एक आशाजनक ब्लू-प्रिंट है। जबकि प्रत्येक समुदाय को अलग-अलग तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, अंबिकापुर मॉडल सामुदायिक भागीदारी द्वारा संचालित स्थानीय समाधानों की शक्ति को दर्शाता है। जैसे-जैसे शहरी आबादी बढ़ रही है और अपशिष्ट प्रबंधन तेजी से महत्वपूर्ण होता जा रहा है, दुनिया भर के शहर प्रेरणा के लिए अंबिकापुर की ओर देख सकते हैं। उचित समर्थन और प्रतिबद्धता के साथ, हम अपशिष्ट प्रबंधन को विकास और सशक्तीकरण के लिए एक संसाधन के स्वरूप में ढाल सकते हैं, जिससे विभिन्न समुदायों और हमारे पर्यावरण दोनों को लाभ होगा। हमारे पास भारत भर में सशक्त महिलाओं के कई उदाहरण हैं, जो स्वच्छता और सफाई संबंधी मिशन के लक्ष्यों को बेहतर तरीके से हासिल करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हैं। आज महिलाएं, कचरा प्रबंधन से लेकर सामुदायिक शिक्षा और स्वास्थ्य संबंधी पहल करने में सबसे आगे हैं, ये प्रयास उन्हें आवश्यक परिवर्तनकारी कारक के रूप में प्रमाणित करते हैं। अपनी सक्रिय भागीदारी के माध्यम से, उन्होंने न केवल सार्वजनिक स्वास्थ्य में योगदान दिया है, बल्कि सफाई और स्वच्छता के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण को भी बदला है। एसबीएम के अहम प्रभावों में से एक महिलाओं के लिए रोजगार के अवसरों का सृजन भी रहा है, विशेष रूप से सफाई से जुड़ी भूमिकाओं में उन्होंने बड़ा योगदान दिया है। राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन जैसी पहलों ने महिलाओं को कचरा संग्रह, पृथक्करण और प्रसंस्करण में शामिल होने के लिए प्रशिक्षण और संसाधन प्रदान किए हैं। सफ़ाईकर्मी के रूप में, महिलाएं वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त कर रही हैं और अपने समुदायों में अपनी स्थिति को बेहतर बना रही हैं।

-तोखन साहू-

नवरात्रि विशेष

तुम खेलव दुलरवा रनबन रनबन हो

टीकेश्वर सिन्हा
गब्दीवाला
घोटिया-बालोद
छत्तीसगढ़

हमारे छत्तीसगढ़ के ग्रामीण क्षेत्र में नारी रुपेण दैवीय आस्था व जनविश्वास के प्रतिमूर्ति को देवी एवं माता की संज्ञा प्राप्त है। ग्राम्यांचल की लोक-आराध्य देवी मातादाई, बूढ़ीदाई, कंकालीन, शीतला, दुर्गादाई, बहीदाई, सतबहिनी, चंडीदाई, महामाई आदि रूप में सर्वत्र विराजित हैं, जिन पर लोगों की अपार श्रद्धा व भक्ति भाव देखते ही बनता है। ग्रामीण अपने हार्दिकभाव को श्रद्धापुष्प अर्पित कर इन देवियों के चरणों पर आशा व विश्वास का दीप जलाते हैं। हृदय से निकलने वाली दैवीय भावना की तरंगे जिव्हा से मुखरित होती हैं, जो लयबद्ध लोकगीत बनती है। धार्मिक अनुष्ठान के अवसर पर नवरात्र पर्व विशेष पर गाये जाने वाला लोकगीत जसगीत कहलाता है। जसगीत अर्थात यशगीत लोक आराध्य देवी के रूप-सौंदर्य, शौर्य-पराक्रम एवं कृपा विशेष के यश गान की लोक प्रस्तुति की जसगीत है। नौ दिनों तक निजी एवं सार्वजनिक स्थान के जोत-जँवारा एवं देवी-स्थापत्य स्थल पर देवी को शक्ति रूपेण जगद्जननी को गीत के जरिये आमंत्रित किया जाता है। लोक विश्वास है कि देवी के आमंत्रित होने पर नवरात्रि को शुभ मानी जाती है। इस समय समस्त देवतागण एवं सारा ब्रह्मांड माता के साथ आमंत्रित होते हैं।

नेवता नेवत के हो... जग रचौं
महामाई...नेवता नेवत के हाँ...
ब्रह्म ल नेवतेंव विष्णु ल नेवतेंव
नेवतेंव कैलाश पति ला
राजा इंदरदेव वहू ल नेवतेंव
नेवता नेवत के हो...जग रचौं...

शब्द संरचनाः

अन्य लोकगीतों की तरह जसगीत में भी प्रथम दो पंक्तियाँ मुखड़ा होती है, जो हो माँ, हे माता, दाई, भवानी....के साथ लयबद्ध होती है। पद संख्या दो या तीन होती है।आजकल जसगीत प्रतियोगिताओं में किसी देवी के कथा प्रसंग को लेकर लंबी जसगीत की रचना होने लगी है। इनकी पद संरचना में देवी के गुणों का बखान प्रश्नोत्तर रूप में होता है। प्रश्नोत्तर के पंक्तियों के गायन के पश्चात मुखड़े को गाया जाता है। इस तरह एक विशेष गायन शैली पचरा कहलाता है। पचरा के पंक्ति सर्वप्रथम गायकप्रमुख के द्वारा गाया जाता है, फिर समूहगान होता है। देवी स्थापना दिवस के स्थिति, तिथि,साज-सज्जा, भेंट-चढ़ावा कथाप्रसंग के मुताबिक पचरा गाया जाता है। पचरा लोगों के लोक वाद्ययंत्रों के सुमधुर ध्वनि के साथ वीर, क्रोध, शांत, करुणा, भक्ति रसों का रसपान कराता है। देवीय से भक्त प्रभावित हो कर नाचने-गाने और झूमने लगते हैं। पचरा की बानगी प्रस्तुत है-

तुम खेलव दुलरवा
रनबन रनबन हो....
का पूजा लेवय बाल बरमदेव
का पूजा लेवय गोरइंयाँ
का पूजा लेवय बन के रक्सा
हो रनबन हो....
नरिहर लेवय बाल बरमदेव
कुकरा लेवय गोरइंयाँ
भँइस्सा लेवय बन के रक्सा
हो रनबन हो... तुम खेलव...।

देवी के रूप-सौंदर्य का दर्शनः

जसगीत का प्रथम व महत्वपूर्ण भाग है सिंगार गीत। सिंगार यानी श्रृंगार करना नारी सुलभ प्रवृत्ति है। नारी सुंदरता का प्रतीक मानी जाती है। सुंदरता नारी के भौतिक गुणों को अवगत कराती है। प्राकृतिक सौंदर्य प्राप्त होने पर भी नारी में अतिरिक्त बाह्य सौंदर्य प्राप्त होने पर भी नारी में अतिरिक्त सौंदर्य अर्जन करने का स्वभाव होता है। नवरात्र के प्रथम दिवस से ही आराधक नारी रूपेण देवी स्वरूपा जगदम्बे को श्रृंगार सामग्री जैसे सिंदूर, बिंदी, कुमकुम, चूड़ी, चुनरी, साड़ी, आभूषण आदि से अलंकृत देवी की पाषाण प्रतिमा में सजीवता उभरती है।पंचमी तिथि विशेष महत्व रखता है। रूप-सौंदर्य का देवी-जसगीत कुछ इस तरह होती है-

मइया पचरंग पचरंग
करत हे सिंगार हो माँ...
पचरंग परदा परयो भवन हे
पचरंग कलस बनाई
पचरंग दरी बने पचरंगी
पचरंग साज सजाई
हो मइया पचरंग....।

शौर्य-पराक्रम का वर्णनः

शांति रुपेण माता जगदंबा शक्ति का रूप होती है। दुर्गा, काली, भवानी की संज्ञा प्राप्त देवी पाप, अधर्म,अन्याय का नाश करती है। दुर्गा-महिषासुर संग्राम के कथा प्रसंग में देवी के शौर्य-पराक्रम व वीरता का वर्णन जसगीत में सुनने को मिलता है। सिंह पर सवार सशस्त्र देवी दुर्गा का रणभूमि में कूच करने का वृतांत जसगीत के लोकधुन की प्रस्तुति होती है। यह कथा प्रसंग नारी को शक्ति दायिनी व पाप हारिणी के रूप में चित्रित करता है; साथ ही यह भी संदेश देता है कि पुरुष प्रधान समाज में नारी अपने यथोचित स्थान पाने के लिए शांति मार्ग की अतिरिक्त आवश्यकता पड़ने पर अपनी शक्ति का प्रयोग कर समस्त नारीजाति को जीवन जीने का अधिकार निर्धारित करती है-

महिषासुर मारन बर हो
चले हो दुरगा दाई
सिंह मा हो के सवार....
एक हाथ धरे तलवार
दूसर हाथ मा कटारी
महिसासूर संग करै लड़ाई भारी
चम चम चमके हो तलवार
चले हो...।

देवी के प्रति सेवा भावनाः

नवरात्र पर्व के दौरान लोगों के हृदय में देवी के प्रति सेवा भाव सेवा की भावना कूट-कूट कर भरी होती है। माता सेवागीत में जगद्जननी के प्रति आराधक के सेवा भाव का जिक्र होता है। भक्त देवी को भौतिक वस्तुएँ अर्पित कर माता सम्मान की भावना रख सेवाभाव को और प्रबल करता है; साथ ही दूसरों को भी अपनी सेवाभावना को व्यक्त करने की कुछ इस तरह अनुरोध करता है,जो सेवागीत कहलाता है।

गुथौ हो मालिन माई बर फुलगजरा
कउने फूल के अजरा गजरा
कउने फूल के हार
कउने फूल के माथ-मकुटिया
सोला ओ सिंगार... गुथौ हो....
चम्पा फूल के अजरा गजरा
चमेली फूल के हार
सेवती फूल के माथ-मकुटिया
सोला ओ सिंगार...गुथौ हो मालिन...।

विदाई का भाव जसगीतः

नवमीं तिथि देवी का विदाई-दिवस होता है। नौ दिनों तक माता-पुत्र एवं देवी-भक्त का संबंध कायम रहता है। सेवा, समर्पण, मान-सम्मान, भक्ति, आशीष का ही समय होता है यह नवरात्र पर्व। देवी और भक्त,अतिथि-आतिथेय सा संबंध नौ दिवस तक बनाये रखता है। अष्टमीं को हवन होता है।नवमीं के दिन देवी-प्रतिमा व ज्योत-जँवारा के विसर्जन के समय भक्तगण भाव विहल हो जाते हैं। विदाई बेला का दृश्य-चित्रण जसगीत के लोकधुन में बड़ा मर्मस्पर्शी होता है।

तोला कइसे भेजँव दाई
तोला कइसे भेजँव ना...
होगे तोर जाये के बेरा
रो रो के मँय मर जइहौं
तोला कइसे भेजँव ओ...।

भारत में शक्ति उपासना की सर्वव्यापकता

घटती-घटना
आत्माराम यादव
नर्मदापुरम,मध्यप्रदेश

सनातन धर्म की अनूठी परंपरा है जिसमे परमात्मा के दो रूप हैं-माता और पिता। सत्य, ज्ञान, प्रभुता, अनन्तता, न्याय, उत्कृष्टता, परात्परता और सर्वशक्तिमानता इत्यादि जैसे गुण ईश्वर के पिता स्वरूप से सम्बन्धित हैं। जबकि सुन्दरता, प्रेम, शक्ति, प्रखरता, करुणा, अनन्यता, शाश्वतता और कृपा जैसे गुण परमात्मा के माता से सम्बन्धित हैं। संसार में परमात्मा के इन दो पक्षों की पूजा किसी न किसी रूप में सर्वत्र होती है। भारत में चैत्र मास के अलावा अभी आश्विन मास के शुक्ल पक्ष में नवरात्र पूजा शुरू हो रही है। ईश्वर के मातृस्वरूप की पूजा क्रमशः दुर्गा. लक्ष्मी और सरस्वती के रूप में तीन-तीन दिनों की होती है। भारत में साधना के लिए यह समय अनुकूल है; क्योंकि इस समय तक वर्षा समाप्त हो जाती है और आकाश में सुन्दर तारे टिमटिमाते रहते हैं। वातावरण में शान्त. सुगन्धित और शीतल वायु का मन्द प्रवाह चलता है। इस सुन्दर प्राकृतिक परिवेश में साधक को देवीमाता की अलौकिक महिमा का स्मरण कराया जाता है। इसलिए असंख्य साधक, आत्मसाक्षात्कार के लिए आवश्यक शक्ति और कृपा प्राप्त करने के उद्देश्य से परमेश्वर के माता पक्ष की पूजा इन दिनों किया करते हैं। देवीपूजा से क्लेशों के काले बादल छूट जाते हैं और कर्मों की धुँध चित्ताकाश से समाप्त हो जाती है जिससे साधक का चित्त स्वर्गिक हंस की तरह श्वेत (परिशुद्ध) हो जाता है, जिसमें ज्ञान रूपी सूर्य का उदय होता है।

नवरात्रि पूजा के लिए भारत का हर शहर, गाँव कस्वा, नगर ओर महानगर अछूता नहीं होता जहां साधकों के आध्यात्मिक जीवन की प्रगति का प्रतीकात्मक चित्रण यह पर्व करता है और यह बताता है कि माता कैसे अविकसित साधकों को आसुरी और राक्षसी वृत्तियों से मुक्त कराकर उन्नति के सर्वोच्च शिखर पर आसीन करने में सहायक होती है। नवरात्रि पूजा राक्षसों और असुरों (कुवृत्तियाँ) पर साधक की होने वाली विजय का भी परिचायक है। विजयदशमी के दिन ही भगवान राम ने रावण को मार कर रामराज्य की स्थापना की थी। साधक के जीवन में आसुरी वृत्तियों की अभिव्यक्ति काम, क्रोध, द्वेष, लोभ, मद, मत्सर्य, तृष्णा और अनेक प्रकार की मानसिक विकृतियों के रूप में होती है। दैवीशक्ति करुणा, उदारता, नम्रता, दानशीलता, शुद्धता, निश्चलता, सार्वभौमिक प्रेम और आत्मिक प्रबुद्धता के रूप में अभिव्यक्त होती है। नवरात्रि पूजा का उद्देश्य दैवीशक्तियों को समृद्ध करना, मन और इन्द्रियों को नियंत्रित कर अपना आत्मकल्याण कर जीवन मार्ग पर सभी क्षेत्रों में यश-प्रतिष्ठा की प्राप्ति करना है, किन्तु इस साधना में छुटपुट चूक साधक के लिए अनिष्टकारी साबित होती है, जिसके लिए तटस्थ रहकर मंगल की प्राप्ति के मार्ग में अमंगल के प्रवेश पर रोक लगानी आवश्यक है, जिसमें अज्ञानतावश कामयाबी न के बरावर देखने को मिलते है।

पूजा-पाठ, जप-होम, ध्यान आदि भी शक्ति उपासना के मुख्य अंग है; परन्तु महाविद्या के सद्गुणों के अभाव में ये व्यर्थ हैं। अतएव यथार्थ शक्ति-उपासना यही है कि पहले दिव्य गुणों को प्राप्त करे और उनसे विभूषित होकर पूजा-पाठ, स्तव, जप-ध्यान, होम आदि कर्म करे। जिनका हृदय कलुषित, भन अपवित्र, चित्त दम्भपूर्ण, भाव कुत्सित, इन्द्रियाँ भोगपरायण तथा जिह्वा असत्यसे दग्ध है उनके पूजा-पाठ, जाप आदि कर्म प्रायः व्यर्थ ही होते हैं। कहीं-कहीं तो उलटे हानि हो जाती है, क्योंकि भयानक दुर्गुणों को देखकर इष्टदेवता रुष्ट हो जाते हैं। लिखा है कि देवी रुष्ट होने पर समस्त अभीष्ट कामनाओं का नाश कर देती हैं। परन्तु जो सद्गुणों से विभूषित हो अहंकार और ममता त्यागकर परम दीन और आर्तभाव से श्रीआद्याशक्तिके चरणों में अपनेको समर्पण कर देते हैं उनके सब कष्टों और अभावों को मिटाकर माता उनका त्राण हरण करती हैं। श्री दुर्गा सप्तशतीकी-नारायणी-स्तुतिमें भी लिखा है- शरणागत दीनार्त्त परित्राण परायणे सर्वस्यार्तिहरे देवि नारायणि नमोऽस्तु ते ॥ श्रीदुर्गा सर्वत्र सबमें व्याप्त हैं और जो उन्हें इस प्रकार सबमें व्यापक रूप से वर्तमान जानते हैं, वही मय- से त्राण पाते हैं। मोक्षदात्री श्रीविद्याकी प्राप्ति के लिये इन्द्रीय-निग्रह परमावश्यक है।

माता के रूप में परमात्मा की धारणा और अधिक शान्ति तथा पूर्णता प्रदान करती है जिसका प्रमाण वर्ष में दो नवरात्रि के अलावा प्रत्येक माह गुप्तनवरात्रि आराधना भी है जिसमे साधक माँ से अति निकट होने का आभास करता है यही कारण है की हम सभी के हृदयं में माता का स्नेह एवं प्रेम की जड़ें पितृ-प्रेम से अधिक गहरी होती है। अपनी माता से कोई भी व्यक्ति कुछ गुप्त नहीं रख सकता। कभी-कभी पिता को प्रसन्न करने के लिए माता की सहायता लेनी पड़ती है। इसलिए परमात्मा की आराधना माता के रूप में करने की धारणा ईश्वरसाक्षात्कार की ओर जाने वाली सर्वश्रेष्ठ आध्यात्मिक भावना की परिणति है, परंतु धर्मसूत्र के नियम साधक के मोक्ष के लिए है जहां उसे अपने सांसरिक जीवन में गहरी साधना, तप-चर्या का पालन कर आत्मकल्याण ओर मोक्ष का मार्ग मिल पाता है ओर वह उसे पार कर ले तो जन्ममरण के चक्र से भी मुक्त हो जाता है अन्यथा उसे बार बार जन्म लेकर मन की तृष्णाओं को भोगना होता है।

शक्ति की उपासना में मातृभाव और ब्रह्मचर्य का महत्व प्रधान माना जाता है। दुर्गासप्तशती के 11 वें अध्याय के श्लोक 6 में नारायणी-स्तुति में लिखा है- विद्याः

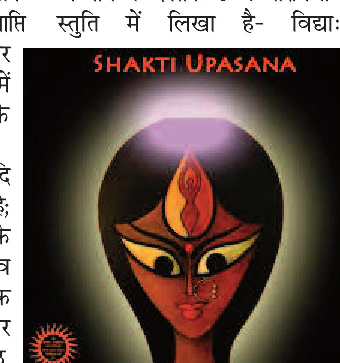

समस्तास्तव देवि भेदाः त्वयैकया खियः समस्ताः सकला जगस्सु । पूरित्तमम्बयैतत् का ते स्तुतिः स्तब्धपरापरोक्तिः ॥ हे देवि ! समस्त संसारकी सब बिद्याएँ तुम्हीं से निकली हैं और सब स्त्रियाँ तुम्हारी ही स्वरूप हैं; समस्त विश्व एक तुमसे ही पूरित है, अतः तुम्हारी स्तुति किस प्रकार - की जाय ? शक्ति के उपासक को अपनी धर्मपत्नी के सिवा सब स्त्रियों को जगदम्बा का रूप समझ उनमें परम पूज्य भाव चाहिये। सब स्त्रियों को जगदम्बा मानना ही शक्ति-उपासना का यथार्थ मातृभाव है, और ऐसी भावना रखने- बाले के ऊपर शक्तिकी कृपा शीघ्र ही होती है। अतएव शक्ति-उपासनामें मन, कर्म और वचनसे ब्रह्मचर्यका पालन करनाः परमावश्यक है। अपनी स्त्रीके संग सन्तानार्थ ऋतुकालमें कर्त्तव्य बुद्धि से, पितृऋण से मुक्त होने के लिये संगम करना ब्रह्मचर्यके विरुद्ध नहीं है। सप्तशतीमें लिखा है- सर्वस्य बुद्धिरूपेण अवस्य हृदि संस्थिते। हे देवि ! तुम बुद्धिके रूपमें सर्वोके हृदयमें स्थित हो । वस्तुतः शक्ति सबके हृदयमें विराजमान हैं; अतएव सब को हृदयस्थ शक्तिकी उपासना करनी चाहिये ।

आजकल उपासना के मुख्य अंग कामादि विकारों के निग्रह की अवज्ञा की जाती है और इसके विपरीत लोग जिह्वा, शिश्न और उदर-परायण होकर भोगात्मक विषयों में ही अनुरक्त हो उन्हीं में लिप्त रहते हैं तथा इसी को शक्ति-उपासना की साधना मानते हैं। दया (परोपकार), क्षान्ति (क्षमा), धृति (चैर्य), शान्ति (मन की समता), तुष्टि (सर्वदा प्रसन्न रहना), पुष्टि (शरीर और मनसे स्वस्थ रहना), श्रद्धा, विद्या, सद्बुद्धि आदि महाविद्याके गुण हैं; इनके प्राप्त होने से ही साधक विद्याशक्ति से सम्बन्ध स्थापित कर सकता है अन्यथा कदापि नहीं । इसके विपरीत जिनमें इन सद् गुणों के विरुद्ध दुर्गुण-हिंसा, काम, क्रोध, लोभ, मोह, भोग-लिप्सा, मत्सर, तृष्णा, आलस्य आदि वर्तमान हैं, उनको अनेकों प्रकार के पूजा-पाठ, जप-तप आदि करने पर भी शक्ति की कृपादृष्टि नहीं प्राप्त हो सकती। पाश्चात्य देश- निवासियों की आजकल जो विद्या, कला-कौशल, व्यापार-वाणिज्य आदिमें विशेष रुचि देखी जाती है उसका कारण उनमें शक्ति की तुष्टि तथा कृपाकी प्राप्तिके मुख्य- साधनस्वरूप इन सद् गुणोंका कुछ-कुछ विकसित होना ही है।

प्रत्येक व्यक्ति के हृदय की गहराई में दिव्य माता निवास करती है। वही मूलतः आत्मशक्ति है जो ज्ञानशक्ति, इच्छाशक्ति और क्रियाशक्ति के रूप में स्वयं को अभिव्यक्त करती है। देवी महात्म्य में निम्नांकित शब्दों से देवता देवी की प्रार्थना करते हैं–या देवी सर्वभूतेषु विष्णुमायेति शब्दिता । नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमोनमः ।। उस देवी को नमस्कार है, बार-बार नमस्कार है जो सभी प्राणियों में वर्तमान विष्णुमाता कहलाती हैं। आगे देवता देवी की स्तुति इस प्रकार से करते हैं, उस देवी को पुनः पुनः नमस्कार है जो सभी प्राणियों में चेतना, बुद्धि, क्षुधा, छाया, शक्ति, तृष्णा, क्षमा, जाति, लज्जा, कृपा, श्रद्धा, सुन्दरता, समृद्धि, दया, संतोष, माया और भ्रान्ति रूप में वर्तमान है। जो देवी सर्वभूतों के एकमात्र आधार और पोषक हैं उन्हें हमारा बार-बार नमस्कार है। (देवी महात्म अध्याय-5) उपरोक्त प्रार्थना में देवी के विभिन्न रूपों का वर्णन है। प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में इन सबों की अभिव्यक्ति होती है। माता अपने पुत्रों आध्यात्मिक साधकों को वाह्य और आन्तरिक रूप से मार्गदर्शन करती है। सम्पूर्ण प्रकृति उनके लिए क्रीड़ास्थल है तथा पृथ्वी, अन्तरिक्ष और स्वर्ग सहित समस्त लोक उनकी ही महिमा को प्रकट कर रहे हैं। बाल आत्माओं को निर्देश देने का उनका तरीका भी बहुत रहस्यमय और अलौकिक है। तामसिक और आसुरी स्तर पर उठने वाली बाधाओं को विनष्ट करने के लिए वे अन्यन्त भयावह दुर्गा के रूप में प्रकट होती हैं। वे ही लौकिक, पारलौकिक और आध्यात्मिक समृद्धि प्रदान कराने वाली महालक्ष्मी हैं। सरस्वती के रूप में यही देवी हंसारूढ़ हो अत्यन्त आकर्षक और शुभ्र रूप धारण कर अमरत्व प्रदान कराने वाले ज्ञान से साधक के अन्तर्मन को प्रकाशित करती हैं।

वेदान्त और ज्ञानमार्ग की प्रतिपाद्य विद्या, जिसके द्वारा अविद्याका नाश और ब्रह्म की प्राप्ति होती है, वह र्भी यही आद्याशक्ति हैं। योगकी मुख्य शक्ति कुण्डलिनी भी यही आद्याशक्ति हैं। उपासना और भक्ति-मार्य की हादिनी-शक्ति तथा इष्टदेवों की अर्धाङ्गिनी- जैसे दुर्गा, सीता, राधा, लक्ष्मी, गायत्री, सरस्वती आदि- जिनकी कृपादृष्टि से इष्ट की प्राप्ति होती है वह सब यही आद्याशक्ति हैं। परन्तु जहाँ प्रकाश होता है वहाँ साथ ही तम भी होता है। प्रकाश और तम के अस्तित्व को पार्थिव विज्ञान ने भी माना है। सृष्टि के विकास- के निमित्त इन दोनों विरुद्ध पदार्थो की आवश्यकता है। इसी नियमके अनुसार आद्याशक्ति अर्थात् पराशक्ति, जो चैतन्य है, उसकी दृष्टि से अपरा प्रकृति अर्थात् नामरूपात्मक जड मूल-प्रकृति उसका दृश्य (कार्यक्षेत्रकी भाँति) हुई और इन दोनों शक्तियोंके संयोगसे सृष्टि-रचना हुई । मूल-प्रकृति योनिरूपा, त्रिगुणात्मिका, अविद्या अर्थात् अज्ञानमूलक है, और परा-प्रकृति चेतन पुरुषरूपा, सच्चिदानन्दस्वरूपिणी, विद्या और ज्ञानमूलक है।

जीवात्मा तो ईश्वर का अंश है, उसकी प्रथम उपाधि कारण-शरीर है जो आनन्दमय है। उसका परा-प्रकृतिसे सम्बन्ध है। परन्तु इसके सिवा अन्य दो उपाधियाँ भी हैं जो त्रिगुणमयी अपरा-प्रकृति के कार्य हैं उनकी संज्ञा सूक्ष्म और स्थूल शरीर है। इन दो उपाधियों में तमोगुण और रजोगुण की प्रधानता है। मनुष्य जीवन का उद्देश्य है विद्याशक्तिके गुणों- के आश्रयसे अविद्यान्धकारका नाश करना तथा रजोगुण और तमोगुणका निग्रह करके उनको शुद्ध सत्त्वमें परिणत कर पुनः त्रिगुणातीत अवस्था को प्राप्त करना। अतएव ज्ञान, अज्ञान, परा, अपरा दोनों प्रकृतियों की आवश्यकता है। इसीलिये पूजा में ज्ञान और अज्ञान दोनोंकी पूजा की जाती है। अतएव त्रिगुणमयी प्रकृतिः अर्थात् अविद्या-शक्ति दिव्य परा विद्या-शक्ति दोनों आवश्यक इसलिये यथार्थ शक्ति-उपासना यही है कि इस त्रिगुणमयी प्रकृतिके कार्य अथवा स्वभाव - निद्रा, आलस्य, तृष्णा (काम-वासना), भ्रान्ति (अतान), मोह, क्रोध महिषासुर), काम (रक्तबीज) आदिको महाविद्याके गुण सद् बुद्धि, बोध, लज्जा, पुष्टि, तुष्टि, शान्ति, क्षान्ति, लज्जा, शद्धा, कान्ति, सद्वृत्ति, धृति, उत्तम स्मृति, दया (परोपकार) आदि के द्वारा निग्रह और पराभव कर उनपर विजय-लाभ करे। इससे जीवात्मा अपने उस खोये हुए आत्मराज्य को प्राप्त करेगा, जिस राज्यसे आसुरी वृत्तियों ने उसे च्युत कर दिया था। यही देवासुर संग्राम है जिसका क्षेत्र यह मानव-शरीर है। नवरात्रि पूजा का उद्देश्य दैवीशक्तियों को समृद्ध करना, मन और इन्द्रियों को नियंत्रित करना है त्जकी आसुरी वृत्तियों से मुक्त होकर यह शरीर साधना की सिद्धि से देवत्व को उपलब्ध हो सके।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

नवरात्र पर मंदिरों में प्रज्ज्वलित होंगे मनोकामना ज्योति कलश

- संवाददाता -
अंबिकापुर,02 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

शारदीय नवरात्रि गुरुवार से आरंभ हो रही है। शहर के मां महामाया मंदिर, दुर्गा मंदिर सहित अन्य देवी मंदिरों व शक्तिपीठों में नवरात्रि को लेकर पिछले कई दिनों से तैयारी चल रही थी जो पूरी कर ली गई है। मां महामाया मंदिर में इस बार घी के 2 हजार व तेल के 34 सौ कुल 54 सौ से अधिक ज्योति कलश प्रज्ज्वलित किए जाएंगे।

शारदीय नवरात्रि पर देवी मंदिरों में भक्तों की खास भीड़ जुटने की उम्मीद जताई जा रही है। पूजा का शुभ मुहूर्त सुबह 6 बजे से शुरू है। महामाया मंदिर में मां के श्रृंगार के बाद भक्त दर्शन करना शुरू कर देंगे। वहीं प्राण प्रतिष्ठा राजपुरोहित द्वारा विशेष पूजा अर्चना के साथ की जाएगी। नवरात्रि में श्रद्धालुओं की भीड़ उमडने के मद्देनजर मंदिर समिति द्वारा सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। वहीं सुरक्षा के लिए पुलिस बल भी तैनात किए गए हैं। सरगुजा पुलिस द्वारा भी सुरक्षा

के दृष्टिकोण से सीसीटीवी लगाए जाएंगे। मंदिर के मुख्य पुजारी सहित अन्य पुरोहितों द्वारा सामूहिक मंत्रोच्चार के साथ ज्योति कलश प्रज्ज्वलित किए जाएंगे। महामाया मंदिर के पुजारी ने बताया कि इस वर्ष पूरे 9 दिनों की नवरात्रि है। मां महामाया मंदिर के साथ शहर के गांधी चौक स्थित दुर्गा मंदिर शक्तिपीठ, गायत्री मंदिर, कुदरगढ़ मंदिर, लुचकी घाट स्थित काली मंदिर, केनापारा मंदिर, पुलिस लाइन स्थित गौरी मंदिर, संत हरकेवाल दुर्गा मंदिर सहित अन्य देवी मंदिरों में ज्योति कलश प्रज्ज्वलित किए जाएंगे। गांधी चौक स्थित दुर्गा मंदिर में भी लगभग चार हजार से अधिक ज्योति कलश प्रज्ज्वलित होंगे।

शारदीय नवरात्रि के आरंभ होने के साथ शुभ कार्य भी आरंभ हो जाएंगे। पूरे पखवाड़े भर पितृपक्ष के कारण शुभ व मांगलिक कार्यों पर विराम लगा हुआ था। अंबिकापुर स्थित मां महामाया देवी व समलेश्वरी देवी की हर वर्ष परंपरानुरूप शारदीय नवरात्र मूर्ति का जलाभिषेक कराया जाता है। अभिषेक से मूर्ति पूर्णता को प्राप्त हो जाती है और खंडित होने का दोष समाप्त हो जाता है। वहीं पुरातन परंपरा के अनुसार शारदीय नवरात्रि पर सरगुजा महाराज महामाया मंदिर में आकर पूजा अर्चना करते हैं। धार्मिक मान्यता है कि जागृत शक्तिपीठ के रूप में मां महामाया सरगुजा राजपरिवार की अंगरक्षिका के रूप में पूज्य हैं। मां जगदम्बा की प्रतिमा स्थापित करने के लिए शहर में जगह-जगह पंडाल बनाए गए हैं। नवरात्रि के पहले दिन से देवी पंडालों में मां दुर्गा की पूजा शुरू हो जाएगी। दुर्गा पूजा की धूम दिखाई पड़ रही है। पूजा समिति के सदस्य रैली की शक्ल में मां दुर्गा की प्रतिमाएं लेने पहुंचे और लाकर पूजा पंडाल में स्थापित किया।

गांधी जयंती पर स्कूल खोलकर धर्मसभा का आयोजन,प्रशासन ने कराया बंद

- संवाददाता -
अंबिकापुर,02 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

गांधी जयंती के अवसर पर स्कूल, कॉजेज बंध रखे गए थे। शासकीय अवकाश था। इसके बावजूद भी शहर के कार्मेल स्कूल द्वारा गांधी जयंती के दिन खोलकर धर्मसभा का आयोजन किया जा रहा था। इसकी सूचना मिलने पर हिन्दू संगठन मौके पर पहुंचकर स्कूल संचालन का विरोध किया। वहीं सूचना पर जिला प्रशासन की टीम मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की इस दौरान स्कूल प्रबंधन ने प्रशासनिक टीम के साथ बहस भी की। डीईओ ने स्कूल प्रबंधन को तत्काल कार्यक्रम बंद कर छुट्टी करने का निर्देश दिया। स्कूल पहुंचे बच्चां को वापस भेजा गया।

जानकारी के अनुसार मंगलवार को गांधी जयंती के अवसर पर राष्ट्रपति महात्मागांधी को याद किया जा रहा था। इनके याद में पूरे देश भर में अवकाश घोषित किया गया है। अवकाश के दिन कार्मेल स्कूल को खोला गया था एवं बच्चों को स्कूल ड्रेस में बुलाया गया था। इसकी जानकारी हिंदू संगठनों को मिली तो इसकी सूचना कलेक्टर को दी गई। कलेक्टर विलास भोस्कर के निर्देश पर डीईओ अशोक सिन्हा के साथ ही प्रशासनिक अधिकारी एवं पुलिस टीम मौके पर पहुंची। स्कूल में धर्म विशेष के बच्चों को बुलाया गया था एवं धर्मसभा का आयोजन किया जाना था। शिक्षा विभाग के अधिकारी स्कूल पहुंचे तो स्कूल के शिक्षकों ने अधिकारियों से भी बहस की और कहा कि उन्हें क्या करना है, अधिकारी नहीं बताएंगे। जब डीईओ अशोक सिन्हा स्कूल पहुंचे एवं फटकार लगाई तो प्रबंधन ने अपनी गलती स्वीकारी एवं स्कूल बंद किया। डीईओ अशोक सिन्हा ने कहा कि राष्ट्रीय अवकाश के दिन निजी स्कूल को खोलकर छात्रों को बुलाने की जानकारी मिली थी। ऐसे में स्कूल खोलना एवं छात्रों को बुलाना गलत है। स्कूल प्रबंधन को नोटिस जारी किया जाएगा एवं नोटिस के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। हिंदू संगठन के कार्यकर्ता दीपक यादव ने स्कूल प्रबंधन की मनमानी पर आक्रोश जताया है। उन्होंने कहा कि जानकारी मिली कि बच्चों को बुलाया है। प्रिंसपल से पूछा गया तो वे यह नहीं बताने को तैयार हुए कि वे क्या कर रहे हैं। स्कूल प्रबंधन ने कहा कि सिर्फ एक कम्युनिटी के बच्चों को बुलाया गया है, लेकिन यहां कई हिंदू बच्चे भी पहुंचे थे।

अम्बिकापुर में पहली बार डिस्को डांडिया सीजन-1 का आयोजन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,02 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

नवरात्र के अवसर पर डिस्को डांडिया सीजन वन का एक दिवसीय आयोजन 6 अक्टूबर की शाम 6.30 बजे से रात्रि 10 बजे तक स्थानीय राजमोहिनी देवी भवन में होगा।

आयोजकों ने बताया कि डिस्को डांडिया के पहले सीजन में विशेष रूप से देश की जानी-मानी एक्ट्रेस व डांसर सुधा चंद्रन (नाचे मयूरी फेम) अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगी। इसके साथ ही देश की प्रसिद्ध एंकर रिमझिम दुबे भी दिल्ली से आ रही है जिनके द्वारा डांडिया कार्यक्रम का संचालन होगा। बुधवार को प्रेस कॉफ्रेंस आयोजित कर आयोजक अधिवक्ता डीके सोनी ने बताया कि डिस्को डांडिया सीजन वन के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए नगर वासियों के लिए बहुत ही कम शुल्क निर्धारित किया गया है जिसमें एक व्यक्ति के लिए 500, कपल के लिए 700 और चार लोगों के ग्रुप के लिए 1000 रुपए का शुल्क रखा गया है। इस राशि में प्रतिभागियों के लिए रात्रि भोजन भी है जिसमें प्रसिद्ध कैटर्स चितरंजन सहित अन्ना दोसा द्वारा तैयार किया जा रहा व्यंजन शामिल है। कार्यक्रम में आतिशबाजी प्रदर्शन को भी शामिल किया गया है जो कि अंबिकापुर में अब तक सिर्फ विजयादशमी उत्सव पर ही देखने को मिलता है, आतिशबाजी कार्यक्रम में 10 हजार शॉट के शो से डिस्को डांडिया सीजन वन और भी आकर्षक और भव्य होने जा रहा है। प्रेस कॉफ्रेंस में विजय अग्रवाल, विकास अग्रवाल, आकाश गुप्ता, हर्षा तायल, अमन तायल, हिमांशु गर्ग, वैभव अग्रवाल, यस सिंह सोहेल, संजय सोनी, वरुण बंसल, चंचल सिंह तथा शुभम सोनी शामिल रहे।

मुख्यमंत्री ने किया जबर नोनी का विमोचन

- संवाददाता -
बलरामपुर,02 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री श्री साय ने मंच से जिले में महिला स्वास्थ्य को और अधिक सशक्त करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा जबर नोनी नवाचार की प्रशंसा की और विमोचन किया। जबर नोनी एक सामुदायिक लीडर और आदर्श है जो बालिका सशक्तिकरण की चुनौतियों के बावजूद दृढ़ता का प्रतीक है। वह अपने गांव की महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार लाने के लिए समर्पित है। जबर नोनी समाज में बदलाव की एक उत्प्रेरक के रूप में कार्य करती है, सामुदायिक सदस्यों को जागरूक करती है, स्वास्थ्य मुद्दों पर शिक्षा प्रदान करती है और आवश्यक सेवाओं तक पहुंच को सुगम बनाती है। वह निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में महिलाओं की आवाज का प्रतिनिधित्व करती है। जबर नोनी द्वारा नियमित स्वास्थ्य शिक्षा कार्य शालाओं का आयोजन, सामुदायिक टीकाकरण अभियानों का नेतृत्व, परिवारों को बाल विवाह में देरी के महत्व पर चर्चा में शामिल करना। बालिकाओं और महिलाओं को उनके अधिकारों में बारे में जागरूक करना। जबर नोनी स्थानीय मितानिन, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, शिक्षकों और एनजीओ के साथ मिलकर एक सहयोगी नेटवर्क बनती है, जो कार्यक्रम की सफलता के लिए संचार और संसाधनों के साझाकारण को बढ़ावा देता है।

मुख्यमंत्री ने जिले का पहला प्लास्टिक वेस्ट प्रबंधन यूनिट का किया शुभारंभ

- संवाददाता -
बलरामपुर,02 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा जिले का पहला प्लास्टिक वेस्ट प्रबंधन यूनिट का शुभारंभ किया गया। जिसे स्वच्छ भारत मिशन मद से किया जा रहा है जिसकी लागत साढ़े पांच लाख रुपए हैं। यह स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में उठाया गया जिला प्रशासन का एक नवाचार है, जिसे खूब सराहा जा रहा है। इस यूनिट के माध्यम से प्लास्टिक कचरे का प्रबंधन और इसके पुनर्चक्रण को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी, जिससे जल, जमीन और जीवन को एक सुरक्षित और स्वच्छ पर्यावरण, बेहतर वातावरण बनाने में मदद मिलेगी।

मरणोपरांत सेवा का संकल्प लिया देहदान का संकल्प

- संवाददाता -
अंबिकापुर,02 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

मनेन्द्रगढ मे अपेक्षित सहयोग न मिलने की वजह से मारवाड़ी युवा मंच महामाया शाखा के कन्हैयालाल अग्रवाल से सम्पर्क किया और उनसे प्रेरित होकर वहाँ से अम्बिकापुर आकर अपनी धर्मपत्नी एवं रिश्तेदारों के समक्ष समाज को सोचने एवं समझने की एक नयी दिशा देने वाले सत्यनारायण जी ने देहदान का संकल्प लिया ।

इन्होंने मारवाड़ी युवा मन्च महामाया शाखा के कन्हैयालाल अग्रवाल, सुभाष गोयल, विकास अग्रवाल का आभार जताया जिन्होंने सत्यनारायण को इस नेक कार्य के लिये प्रेरित किया,इस दौरान सत्यनारायण जी ने बताया कि मैने अपने जीवन मे अनेक लोगों को रक्त,अंगो के अभाव मे जिन्दगी और मौत के बीच झुलते हुये देखा है। इसलिए यदि हम रक्तदान, अंगदान, देहदान करते हैं तो अनेक लोगों की जिन्दगी बचा सकते हैं और हमारे बदलने से ही समाज बदलेगा। महामाया शाखा द्वारा सत्यनारायण का इस नेक पहल के लिये शाल श्रीफल प्रदान कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर सत्यनारायण की धर्मपत्नी सहीत उनके रिश्तेदार एवं परिचित,रेडक्रास सोसाइटी के आजीवन सदस्य आर्यन सिन्हा भी उपस्थित थे।

जर्जर सडक़ को लेकर जागरूक नागरिकों ने सिस्टम का किया श्राद्ध

- संवाददाता -
अंबिकापुर,02 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

शहर के जागरूक नागरिकों ने जर्जर सडक़ का अनोखी तरह से विरोध जताया है। नागरिकों ने बुधवार को शहर के घड़ी चौक पर सिस्टम श्राद्ध कर डाला।

दरअसल 2 अक्टूबर गांधी जयंती है और पितृ पक्ष का अंतिम दिन। इस दिन को शहर के जागरूक नागरिकों ने बदहाल हो चुके सिस्टम के श्राद्ध के लिए चुना। अंबिकापुर नगर निगम के साथ ही आस-पास की सडक़े बदहाल हो चुकी है। इससे सडक़ों से गुजरने वाले लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। कई बार प्रदर्शन के बाद भी सडक़ों की स्थिति नहीं सुधरी। इन सडक़ों का पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव, मौजूदा सांसद चिंतामणि महाराज, विधायक सहित कलेक्टर ने भी जायजा लिया, लेकिन सडक़ों की स्थिति जस की तस बनी हुई है। यही कारण है कि शहर के जागरूक नागरिकों ने शहर के घड़ी चौक में सिस्टम का विधि-विधान से श्राद्ध किया और चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही सडक़ की स्थिति नहीं सुधरी, तो आगे शहर के नागरिक बिहार के गया जाकर सिस्टम का पिंड दान कर विरोध करेंगे। इस दौरान डॉ. गहिरवार ने कहा कि सडक़ चाहे नगर निगम की हो या एनएच या पीडब्ल्यूडी की सभी सडक़ें खस्ताहाल है। चलना मुश्किल हो गया है। हमलोगों को न तो केन्द्र सरकार सुन रही है और न ही राज्य सरकार। निगम सरकार भी ध्यान नहीं दे रही है। हमलोग अनाथ हो चुके हैं। इस लिए सिस्टम का श्राद्ध किया गया है।

शासकीय हाई स्कूल फुलचुही में स्वच्छता अभियान के तहत निबंध,रंगोली और मानव श्रृंखला का आयोजन

- संवाददाता -
उदयपुर,02 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

शासकीय हाई स्कूल फुलचुही विकासखंड उदयपुर जिला सरगुजा में आज स्वच्छता ही सेवा है केंद्र और राज्य सरकार के मंसानुसार विद्यार्थियो में सजकता आ सकें इसी उद्देश्य को लेकर निबंध ,नाटक ,श्लोकन नारा लेखन ,रंगोली , गायन प्रतियोगिता के साथ मानव श्रृंखला बनाकर स्वच्छता का संदेश दिया गया। सभी विद्यार्थियों को समूह में अलग अलग बाटकर समूह कार्य दिया गया इससे फायदा यह हुआ कि सभी विद्यार्थी अपना भागीदारी दिए।

सबसे पहले भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया उसके बाद श्लोकन नारा लेखन ,रंगोली ,नाटक आदि का आयोजन किया गया उसके बाद प्रदर्शन भी किया गया जिसमे सबसे श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले समूह को इनाम भी दिया जाएगा। इस कार्यक्रम के द्वारा बच्चो में स्वच्छता के प्रति जागरूक करना है ताकि आने समय में एक कुशल नागरिक बन कर नाम रोशन कर सकें। कार्यक्रम में मानव श्रृंखला बनाकर स्वच्छता अभियान संदेश के साथ शपथ भी दिलाया गया। बच्चियों को सेनेटरी नेपकिन भी वितरण कर बालिका स्वच्छता प्रबंधन की जानकारी दिया गया। इस कार्यक्रम में सभी विद्यार्थियों और इको क्लब ,विज्ञान क्लब पदाधिकारीगण का सराहनीय योगदान रहा ।इस अभियान का आयोजन व्याख्याता विपिन बिहारी गहवई के निर्देशन में सभी विद्यार्थियों के साथ शिक्षक रामेश्वर राठौर और नीलिमा खलखो का सराहनीय सहयोग रहा।

कांग्रेस कार्यालय में राष्ट्रपति महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री की जयंती मनाई गई

- संवाददाता -
अंबिकापुर,02 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

जिला कांग्रेस कार्यालय अम्बिकापुर में मंगलवार को राष्ट्रपिता महात्मागांधी एवं भारत के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर उनके तस्वीर पर पुष्पांजली अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजली दी गई। इस अवसर पर आयोजित परिचर्चा में पार्टी के नेतओं और कार्यकर्ताओं ने गांधी जी और शास्त्री जी द्वारा अपने जीवन में अपनाये गये सादगी और तत्कालीन समाज दशा पर आधारित उनके निर्णयों पर विस्तार से चर्चा किया गया। जयंती पर आयोजित इस सभा में कांग्रेस के अनेक नये सदस्य भी जुडे थे। इन सभी को देश के निर्माण एवं कांग्रेस की विचारधारा की स्थापना में गांधी जी एवं शास्त्रीजी के योगदान से अवगत कराया गया। इस दौरान परिचर्चा को बालकृष्ण पाठक, अजय अग्रवाल, अजय तिर्की, हेमंत सिन्हा, मो. इस्लाम, अशफाक अलि आदि ने संबोधित किया। सभा का संचालन एवं आभार प्रदर्शन दुर्गेश गुप्ता के द्वारा किया गया।

सभा में रामविनय सिंह, संजीव मंदिलवार, अनूप मेहता, गुरुप्रित सिद्धू, नरेन्द्र विश्वकर्मा, लवकेश पासवान, अनिल सिंह, विवेक सिंह, दिलिप धर, चंद्र प्रकाश सिंह, अमित तिवारी राजा, हिमांशु जायसवाल, निखिल विश्वकर्मा, प्रमोद चौधरी, मुनेश्वर राजवाडे, अविनाश कुमार, अतिश शुक्ला, मो0 इमरान, दिनेश कुमार शर्मा, अमित सिंह, जवाहर सोनी, केदार यादव, परवेज आलम गांधी, संदीप सिन्हा, राजीव सिंह, अलि, गीता रजक, शकीला सिद्धकी, सपना सिन्हा, नसरीन जहां, पूनम सोनी, हमीदा बानो, प्रिति सिंह, रश्मि सोनी, साधना कश्यप, मंजू सिंह, अनुराधा सिंह, संगीता मिंज, सावित्री ठाकुर, मानसी ठाकुर, उर्मीला विश्वास, मोमिना खातून, सपना सिन्हा आदि ने भी शिरकत की।

गाजा में शरणार्थी शिविर पर इजरायली हवाई हमले में तीन फिलिस्तीनी मारे गए

गाजा ,02 अक्टूबर 2024। इजरायली हवाई हमले में गाजा पट्टी के मध्य स्थित नुसेरात शरणार्थी शिविर में तीन फिलिस्तीनियों की मौत हो गई। दक्षिण गाजा के खान यूनिस में इजरायली सेना अचानक आगे बढ़ी है।

फिलिस्तीनी सुरक्षा सूत्रों के अनुसार, इजरायली वायु सेना ने नुसेरात शिविर के पश्चिम में एक घर पर मिसाइल दागी। इस हवाई हमले के साथ तोपखाने से भी भारी गोलीबारी हुई, जिसमें विस्थापित लोगों को आश्रय देने वाला एक स्कूल भी चपेट में आ गया।

चिकित्सा सूत्रों ने बताया कि इस हमले में तीन फिलिस्तीनियों की मौत हो गई और कई घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल ले जाया गया।

स्थानीय सूत्रों ने यह भी बताया कि इजरायली सैनिकों ने गाजा के मध्य में नेत्ज़ारिम चौराहे पर कई फिलीस्तीनियों को घायल कर दिया। ये फिलिस्तीनी दक्षिण से उत्तर की ओर लौटने की कोशिश कर रहे थे, तभी सैनिकों ने उन पर गोली चला दी।

इजरायली सेना ने कहा कि उन्होंने गाजा के मध्य में कई संदिग्ध लोगों को देखा जो सैनिकों के लिए खतरा बने हुए थे। इसलिए उन्होंने गोलीबारी की, जिससे कई लोग घायल हो गए, हालांकि इजरायली सैनिकों को कोई नुकसान नहीं हुआ।

खान यूनिस में चश्मदीदों ने बताया कि इजरायली सेना अचानक भारी गोलीबारी के बीच किजान अन-नज्जार इलाके में आगे बढ़ी। इसके कारण सैकड़ों फिलिस्तीनी परिवार वहां फंस गए। तोपों और गोलियों की आवाज के बीच लोग घायल हुए। कई लोग इस अचानक हुई कार्रवाई से अपनी जान बचाने के लिए भागने लगे।

हिजबुल्ला-ईरान से टकराव के बीच नेतन्याहू की सुरक्षा प्रमुखों की बैठक

पश्चिम एशिया में चरम पर तनाव

तेल अवीव, 02 अक्टूबर 2024। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को तेल अवीव के किरिया में सुरक्षा प्रतिष्ठान के प्रमुखों के साथ एक बैठक की। यह बैठक ऐसे समय में हुई है, जब ईरान की ओर से करीब 200 बैलिस्टिक मिसाइलें इस्राइल पर दागी गई हैं और क्षेत्र में तनाव चरम पर है।

मिसाइल हमले कर ईरान ने बड़ी गलती कर दीः बेंजामिन नेतन्याहू

इस्राइली प्रधानमंत्री कार्यालय ने %एक्स% एक पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने आज दोपहर सुरक्षा प्रतिष्ठान के प्रमुखों के साथ चर्चा की। अमेरिकी नौसेना के विध्वंसक (डेस्ट्रॉयर) इस्राइली वायु सेना के साथ मिलकर इन मिलकर ईरानी मिसाइलों को इंटरसेप्ट करने के लिए सक्रिय हो गए हैं। प्रधानंत्री नेतन्याहू ने ईरान के मिसाइल हमले को लेकर कहा कि उसने बड़ी गलती कर दी है और उसे इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

ईरान को गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगेः डैनियल हगारी, प्रवक्ता आईडीएफ

इस्राइल रक्षा बल (आईडीएफ) के प्रवक्ता एडमिरल डैनियल हगारी ने ईरान के हमले ने तनाव को गंभीर और खतरनाक स्तर तक बढ़ा दिया है। उन्होंने कहा, इसके परिणाम भुगतने होंगे। हम जब, जहां और जिस तरह से चाहेंगे, प्रतिक्रिया देंगे। अब यह इस्राइल सरकार तय करेगी।

आईडीएफ ने लेबनान के दो दर्जन गांवों को खाली करने का आदेश

वहीं, ईरान की ओर से इस्राइल पर हमले के एक दिन बाद आईडीएफ ने दक्षिण लेबनान के दो दर्जन गांवों के लोगों को तुरंत अपने घरों को छोड़ने का आह्वान किया है। आईडीएफ के अरबी भाषा के प्रवक्ता कर्नल अविचय अद्राई ने एक बयान में कहा, हिजबुल्ला की गतिविधियां आईडीएफ को इसके खिलाफ कार्रवाई करने के लिए मजबूर कर रही हैं। आईडीएफ आपको नुकसान नहीं पहुंचाना चाहती। अपनी सुरक्षा के लिए आपको तुरंत अपने घर खाली करने चाहिए। जो कोई भी हिजबुल्ला के ऑपरेटिव, उनके स्थलों या उनके हथियारों के करीब हैं, वह अपने आपको जोखिम में डाल सकता है।

आईडीएफ सेना ने दक्षिण लेबनान के 28 अन्य गांवों के लिए भी इसी तरह के आदेश जारी किए थे। ताजा अपडेट में, आईडीएफ ने बुधवार को कहा कि उसने हवाई हमलों में 150 से ज्यादा आतंकवादी ढांचों को नष्ट कर दिया है, जिनमें हिजबुल्ला का मुख्यालय, हथियारों के भंडार और रॉकेट लॉन्चर शामिल हैं।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर जिलेभर में स्वच्छता हेतु हुए विभिन्न कार्यक्रम

- शासकीय कार्यालयों, चौक-चौराहों में श्रमदान कर स्वच्छता का दिया गया सन्देश
- स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण अंतर्गत निर्मित संरचनाओं का किया गया उद्घाटन

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 02 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर जिलेभर में लोगों में स्वच्छता की अलख जगाने विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। चौक-चौराहों, गली-मोहल्लों में सुबह से ही जनप्रतिनिधियों सहित आमजनों ने श्रमदान कर सभी को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। इस अवसर पर जिला कलेक्टरेट सहित सभी शासकीय कार्यालयों में अधिकारी-कर्मचारियों ने भी साफ-सफाई की। वहीं स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थियों तथा शिक्षकों ने भी मिलकर स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत श्रमदान किया। इस दौरान सभी ने स्वच्छता के प्रति सजग रहने और अपने आस-पास के वातावरण को स्वच्छ रखने, हर वर्ष 100 घंटे यानी हर सप्ताह 2 घंटे श्रमदान करने की स्वच्छता शपथ ली। इस अवसर स्वच्छता दीदियों को जिले में स्वच्छता के प्रति अपनी सहभागिता निभाने शॉल, श्रीफल एवं प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। वहीं स्कूली बच्चों द्वारा स्वच्छता से सम्बंधित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भाषण, गीत-संगीत, नृत्य की प्रस्तुतियां दी गई।

स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण अंतर्गत निर्मित संरचनाओं का किया गया उद्घाटन

इस दौरान स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण अंतर्गत निर्मित संरचनाओं का उद्घाटन किया गया। जिसमें लुण्ड्रा में आयोजित स्थानीय कार्यक्रम में विधायक श्री प्रबोध मिंज शामिल हुए। इसी तरह स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने अपने क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होकर संरचनाओं का उद्घाटन किया। जनपद पंचायत अम्बिकापुर के ग्राम पंचायत सकालो के ठोस अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र, जनपद पंचायत लखनपुर के ग्राम पंचायत लहपटरा में सामुदायिक शौचालय, ग्राम पंचायत पुहपुटरा में सामुदायिक शौचालय, कोरजा में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र, जनपद पंचायत उदयपुर के ग्राम पंचायत बकोई में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र, जनपद पंचायत लुण्ड्रा के ग्राम पंचायत लुण्ड्रा में सामुदायिक शौचालय, जनपद पंचायत बतौली के ग्राम पंचायत बतौली में प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र, जनपद पंचायत सीतापुर के ग्राम पंचायत सोनतराई में प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र एवं जनपद पंचायत मैनपाट के ग्राम पंचायत लुरैना में सामुदायिक शौचालय का उद्घाटन किया गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा एकलव्य आदर्श कन्या आवासीय विद्यालय शिवपुर बतौली नवीन भवन का वर्चुअल लोकार्पण

- कार्यक्रम में शामिल सीतापुर विधायक श्री रामकुमार टोप्पो ने छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य की दी शुभकामनाएं
- 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत लगाए गए पौधे, दिलाई गई स्वच्छता शपथ, स्वच्छता दीदियां हुईं सम्मानित

- संवाददाता -
अंबिकापुर,02 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा बुधवार को वर्चुअल रूप से सीतापुर के एकलव्य आदर्श कन्या आवासीय विद्यालय शिवपुर, बतौली के नवीन भवन का लोकार्पण किया गया तथा शुभकामनाएं प्रेषित की गई। एकलव्य विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में सीतापुर विधायक श्री रामकुमार टोप्पो की गरिमामय उपस्थिति रही, जहां उन्होंने प्रतीकात्मक रूप से विद्यालय का उद्घाटन किया कार्यक्रम में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर उन्हें अतिथियों द्वारा पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस दौरान विद्यालय की छात्राओं ने भाषण के द्वारा महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री की जीवनी एवं राष्ट्र के प्रति उनके त्याग एवं समर्पण पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि विधायक श्री टोप्पो ने सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारे बच्चे अच्छे वातावरण में पढ़ें, यही हम सबकी इच्छा होती है, आज यह सुंदर भवन बन जाने से बच्चों को बेहतर शैक्षणिक सुविधा मिलेगी। उन्होंने सभी छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए मन लगाकर पढ़ने कहा। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2019 से संचालित एकलव्य विद्यालय के नवीन भवन में लगभग 420 से अधिक छात्राओं के अध्ययन की सुविधा होगी। वर्तमान में कक्षा छठवीं से लेकर दसवीं तक में छात्राएं अध्ययनरत हैं, आने वाले समय में कक्षा ग्यारहवीं और 12वीं में छात्राएं अध्ययन करेंगी जिसमें विज्ञान और वाणिज्य संकाय प्रारंभ की जा सकती है।

इस अवसर पर कलेक्टर श्री विलास भोसकर, जिला पंचायत सीईओ श्री नूतन कुमार कंवर, जनपद पंचायत बतौली अध्यक्ष श्रीमती लीलावती पैंकरा, सरपंच शिवपुर श्री भागीरथी, स्थानीय जनप्रतिनिधि, जिला एवं खण्ड स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी, स्वच्छता दीदियां सहित विद्यालय के शिक्षक तथा छात्राएं, आमजन उपस्थित रहे।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत लगाए गए पौधे, दिलाई गई स्वच्छता शपथ, स्वच्छता दीदियां हुई सम्मानित

कार्यक्रम के दौरान एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत विधायक श्री टोप्पो ने वृक्षारोपण किया तथा वृक्ष लगाकर उसकी सुरक्षा करने का संदेश दिया। इस दौरान सभी को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई, वहीं स्वच्छता संवाद में अपने घर, मोहल्ले के साथ ही सार्वजनिक क्षेत्रों को भी स्वच्छ रखने की अपील की गई। इस अवसर स्वच्छता दीदियों को प्रमाणपत्र, शॉल, श्रीफल देकर सम्मानित किया गया।

महात्मा गांधी के सपनों को पूरा कर रहे हैं देश के प्रधानमंत्रीः मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

- धरती आबा से छत्तीसगढ़ के सभी जनजातीय समाज लाभान्वित होंगेः मुख्यमंत्री श्री साय
- मुख्यमंत्री ने की आमजनों से स्वच्छता को जीवन में अपनाने और आसपास को स्वच्छ रखने की अपील

- संवाददाता -
बलरामपुर,02 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

आज महात्मा गांधी की जयंती अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बलरामपुर-रामानुजगंज जिलेवासियों को 192 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों की सौगात दी। मुख्यमंत्री श्री साय बलरामपुर जिले के राजपुर में आयोजित धरती आबा जनजातीय उत्कर्ष अभियान के कार्यक्रम में पहुँचे और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा झारखंड राज्य के हजारीबाग जिले से इस अभियान के शुभारंभ कार्यक्रम में वर्चुअली जुड़े। धरती आबा अभियान के माध्यम से जनजातीय समाज को लाभान्वित किए जाने पर मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रधानमंत्री श्री मोदी को धन्यवाद दिया और कहा कि आज महात्मा गांधी जी की जयंती है। उनका सपना था कि आदिवासियों का विकास हो। स्वच्छ भारत बने। देश के प्रधानमंत्री श्री मोदी महात्मा गांधी के इन सपनो को पूरा कर रहे हैं। उन्होंने 15 अगस्त 2014 को स्वच्छ भारत मिशन की घोषणा की और घर-घर शौचालय निर्माण कराया। उन्होंने महिलाओं को सम्मान से जोड़ा। आज भी इन शौचालयों को कई राज्यों में इज्जत घर के रुप में जाना जाता है। आज धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान का शुभारंभ हुआ है। इससे देश के 10 करोड़ से अधिक जनजातीय समाज तथा छत्तीसगढ़ के 32 जिलों के 138 ब्लॉक में 6691 गाँव में रहने वाले 47 लाख की आबादी को लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने आगे कहा कि हम सभी स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के माध्यम से 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक अभियान से जुड़े रहे। स्वच्छता को अपनाया इसके लिए आप सभी को बधाई और शुभकामनाएं हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने स्वच्छता को आदत और संस्कार में अपनाने की अपील करते हुए कहा कि हम अपने आसपास को भी स्वच्छ रखे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सबका साथ,सबका विकास और सभी का प्रयास का संकल्प लेकर कार्य करते हैं। उन्होंने जनजातीय समाज, अति पिछड़े विशेष पिछड़ी जनजाति की चिंता की और प्रधानमंत्री जनमन योजना के माध्यम से बिजली,पानी,सड़क सहित कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया। आज धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के माध्यम से 80 हजार करोड़ रुपए का प्रावधान कर 65 हजार से ज्यादा गाँव और 5 करोड़ से अधिक जनजाति समाज के कल्याण के लिए कदम बढ़ाया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल विहारी बाजपेयी ने जनजाति समाज के विकास के लिए अलग राज्य का निर्माण किया और अलग से जनजाति मंत्रालय का गठन और अनुसूचित जनजाति आयोग का गठन किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज छत्तीसगढ़ और जशपुर जिले के लिए गौरव का दिवस भी है कि जशपुर जिले के बगीचा ब्लॉक की आदिवासी महिला मानकुंवर बाई को प्रधानमंत्री ने बातचीत के लिए अपने कार्यक्रम में आमंत्रित किया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार ने शपथ लेते ही अगले दिन से राज्य के गरीबों के कल्याण के लिए काम प्रारंभ कर दिया। प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत 18 लाख आवास की स्वीकृति प्रदान की जिसकी राशि अब हितग्राहियों के खाते में आने लगी हैं और घर निर्माण का काम प्रारंभ हो गया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने 31 सौ रुपये में प्रति क्विंटल धान खरीदी, 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदी, दो साल का धान के बकाया बोनस की राशि, तेंदूपत्ता प्रति मानक बोरा को 4 हजार से बढ़ाकर 5500 रुपये कर दिया। प्रदेश की 70 लाख महिलाओं के खाते में महतारी वंदन योजना से राशि दी जा रही है। विगत 9 माह के भीतर मोदी की गारंटी की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किए गए।

कार्यक्रम में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति अल्पसंख्यक कल्याण, कृषि मंत्री श्री राम विचार नेताम ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा 80 हजार करोड़ रूपए से अधिक की लागत से धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान का शुभारंभ किया है। इससे छत्तीसगढ़ को सर्वाधिक राशि मिलने वाली है। जिससे आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रो का सर्वांगीण विकास होगा। उन्होंने कहा कि पीएम देश के आदिवासियों के लिए कार्य कर रहे हैं। आदिवासी समाज की महिला आज राष्ट्रपति के पद पर है और राज्य का मुख्यमंत्री भी आदिवासी समाज से है, यह समाज के लिए गौरव की बात है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री की पहल से दिल्ली में यूपीएससी की तैयारी के लिए यूथ ट्राईबल हॉस्टल में सीट की संख्या 200 कर दी गई है। छत्तीसगढ़ में नए एकलव्य आवासीय विद्यालय तथा आश्रम, छात्रावास की व्यवस्था की गई है। सांसद श्री चिंतामणि महाराज ने कहा कि यहां आदिवासी समाज के साथ ही विशेष पिछड़ी जनजाति समाज के लिए पीएम जनमन योजना के तहत मुख्यमंत्री उनके उत्थान के लिए कार्य कर रहे हैं। सरकार जनजाति उत्थान के लिए सकारात्मक कदम उठा रही है। कोरोना काल में भी निःशुल्क चावल की व्यवस्था की गई। कार्यक्रम को सामरी विधायक श्रीमती उद्देश्वरी पैकरा ने भी संबोधित किया। आदिम जाति कल्याण विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं और समाज के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। कलेक्टर श्री आर एक्का ने स्वागत उद्बोधन के माध्यम से जिले में किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। इस दौरान जिले की प्रभारी एवं महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, विधायक प्रबोध मिंज, राजेश अग्रवाल, शकुंतला पोर्ते, युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर, आईजी अंकित गर्ग, पुलिस अधीक्षक बैंकर वैभव रमनलाल, जिला पंचायत सीईओ रेना जमील सहित अन्य जनप्रतिनिधि तथा आमनागरिकगण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने लिंक कोर्ट, पुल, सड़क सहित नवीन स्कूल भवन के लिए की घोषणा

मुख्यमंत्री श्री साय ने मंच से बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के लिए सांसद और विधायक की मांग पर अनेक विकास कार्यों की घोषणा की। उन्होंने नरसिंहपुर से मरकाडाड़ के मध्य महान नदी में पुल निर्माण, हायर सेकंडरी राजपुर के लिए नवीन भवन निर्माण ,राजपुर ब्लॉक में उफिया मे चन्दर मुसखोर नाला में पुलिया निर्माण, राजपुर में अपर कलेक्टर लिंक कोर्ट प्रारंभ करने की घोषणा की। उन्होंने क्षेत्र में पंडो जनजाति की बहुलता को देखते हुए पंडो जनजाति के लिए 50-50 सीटर बालक बालिका छात्रावास निर्माण की घोषणा की और बिलासपुर और सरगुजा संभाग में प्रतिवर्ष कर्मा महोत्सव आयोजन कराने की घोषणा की। उन्होंने खादी ग्राम उद्योग अंतर्गत खादी के वस्त्रों में मार्च 2025 तक 25 प्रतिशत की छूट प्रदान किये जाने की जानकारी भी कार्यक्रम में उपस्थित जनों को दी।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने विभागीय स्टॉलों का किया अवलोकन

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा ''धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान'' के शुभारंभ अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया गया। जिला प्रशासन के कुल 20 विभागों द्वारा अपने विभागीय योजनाओं एवं उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी लगाई गई। जिसके अंतर्गत आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, नगरीय प्रशासन विभाग, कृषि, पशुपालन, मछली पालन, छत्तीसगढ़ इन्फोटेक प्रमोशन सोसायटी लोक सेवा केन्द्र, जल संसाधन विभाग,लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, कौशल विकास विभाग वाणिज्य एवं श्रम विभाग द्वारा विभागीय योजनाओं की प्रदर्शनी, अग्रणी बैंक प्रबंधन द्वारा बैंकिग सेवांए व समाज कल्याण विभाग द्वारा समाजिक जागरूकता पर प्रदर्शनी लगाई गई।

जिलेवासियों को दी लगभग 192 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने बलरामपुर जिले के राजपुर में आयोजित धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान शुभारंभ कार्यक्रम में 192 करोड़ 60 लाख रुपये की लागत अंतर्गत 108 विकास कार्यों का भूमिपूजन, शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने 97 लाख 57 हजार रुपए के 5 कार्यों का लोकार्पण और 191 करोड़ 63 लाख रुपए के 103 कार्यों का भूमिपूजन किया। लोकार्पण कार्यों के अंतर्गत छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेस कार्पोरेशन के 97 लाख 57 हजार रुपये के 05 निर्माण कार्य है। इसी प्रकार भूमिपूजन के कार्यों में 191 करोड़ 63 लाख रुपये के 103 निर्माण कार्य शामिल है। जिसमें लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत 70 करोड़ 48 लाख के लागत से 06 सड़क निर्माण कार्य तथा 02 करोड़ 55 लाख रुपए के 03 भवन निर्माण कार्य शामिल हैं। आदिम जाति कल्याण विभाग के अंतर्गत 68 करोड़ 31 लाख रुपये के 13 भवन निर्माण कार्य, स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत 06 करोड़ 48 लाख रुपये के 03 छात्रावास निर्माण कार्य, जल संसाधन विभाग के अंतर्गत 39 करोड़ 01 लाख रुपये के 10 जीर्णोद्धार कार्य, महिला बाल विकास विभाग अंतर्गत 04 करोड़ 79 लाख लागत के 3 नवीन आंगनबाड़ी का निर्माण कार्य शामिल है।

मुख्यमंत्री द्वारा मंच से हितग्राहियों को किया गया सामग्रियों का वितरण

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने मंच पर पशुधन विकास विभाग द्वारा विभिन्न योजनाओं के तहत् 02 हितग्राहियों को चेक, श्रम विभाग द्वारा महतारी जतन योजना के 05 हितग्राहियों को चेक, उद्यानिकी विभाग द्वारा राष्ट्रीय बागवानी मिशन अंतर्गत 02 हितग्राहियों को चेक, कृषि विभाग द्वारा 02 हितग्राहियों को ट्रैक्टर, आदिवासी विकास विभाग द्वारा 03 हितग्राहियों को व्यक्तिगत वन अधिकार पट्टा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा प्रधानमंत्री जनमन योजना के पूर्ण आवास के 11 हितग्राहियों को पक्के आवास की चाबी, राजस्व विभाग द्वारा प्राकृतिक आपदा से जनहानी होने से 04 आपदा पीड़ितों को आर्थिक सहायता राशि, स्वास्थ्य विभाग द्वारा टीबी मुक्त ग्राम पंचायत के तहत 03 ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त ग्राम पंचायत का प्रमाण पत्र, पंचायत विभाग द्वारा 10 हितग्राहियों को स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत उत्कृष्ट स्वच्छताग्राही प्रमाण पत्र का वितरण किया गया।

छत्तीसगढ़ के विधानसभा क्रमांक 2 के विधायक का जन्मदिन ऐतिहासिक तौर पर मनाया गया

विधायक से कैबिनेट मंत्री बनने के बाद पहली बार जन्मदिवस की बधाई देने वालों की कतार लगी रही

स्वास्थ्य मंत्री के जन्मदिवस पर स्नेहियों से लेकर स्वार्थी लोगों तक की कतार लगी रही

स्वास्थ्य मंत्री के जन्मदिवस के एक दिन पहले से ही जगह-जगह घर वापसी के दौरान उनका जन्मदिवस मनाया गया

स्वास्थ्य मंत्री के जन्मदिवस पर सैकड़ो केक कटे और साथ ही स्वास्थ्य मंत्री लड्डुओं से भी तौले गए

लोकतंत्र की है यही खूबसूरती,विपक्ष में जो एक केक के लिए समर्थकों के लिए रहता है मोहताज,सत्ता में पद में आते ही हर कोई उसके सामने हो जाता है गुलाम

स्वास्थ्य मंत्री का जन्मदिवस मनाने के लिए समर्थकों,स्नेहियों व स्वार्थियों में होड़ देखी गई

यही वजह थी कि स्वास्थ्य मंत्री के जन्मदिवस का कार्यक्रम जगह-जगह आयोजित किया गया

विधायक होने से पहले अपने पैसे से जन्मदिन मनाना पड़ता था,अब मंत्री बनने के बाद अन्य लोग जन्मदिवस मनाने के लिए इच्छुक दिखे

अधिकारी कर्मचारी भी देखे गए कई जगह शामिल,कई तो रात में भी जी हुज़ूरी में रहे शामिल

-रवि सिंह-
एमसीबी,02 अक्टूबर 2024
(घटती-घटना)।

समय का चक्र बहुत कुछ दिखाता है और यही सीख बड़े बुजुर्ग से लेकर आज भी अन्य लोग उलहानाओं में देते हैं और यह क्रम चलता रहता है, हम इस बात की चर्चा इस समय छत्तीसगढ़ के विधानसभा क्रमांक 2 मनेंद्रगढ़ विधानसभा के विधायक व स्वास्थ्य मंत्री की के लिए कर रहे हैं, जिस समय यह पूर्व विधायक होते थे उस समय अपना जनाधार बनाए रखने के लिए स्वयं के पैसे से भी कार्यक्रम आयोजित कराया करते थे, कई बार एक केक और समर्थकों के लिए भी तरसते थे, अधिकारी कर्मचारी से इनका अनुनय निवेदन देखा जाता था और कुछ जो उनके समर्थक थे जो उनके स्नेही थे वह तो कार्यक्रम आयोजित करते थे, क्योंकि उनसे वह लाभ प्राप्त कर चुके थे पहले और इसलिए उनकी मजबूरी थी तब, लेकिन उस समय एक वर्ग जो इनके पास नहीं आता था वह था स्वार्थी वर्ग, यह वर्ग ऐसा वर्ग है जो किसी भी नेता के पास पद मिलने के बाद आ सकता है जब उसे अपना स्वार्थ सिद्ध करना होता है, आज दूसरी बार विधायक बनने का जब श्याम बिहारी जायसवाल को मौका मिला और जनता ने उन्हें अपना जनादेश दिया तो उस जनता के जनादेश के आशीर्वाद स्वरूप उन्हें छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य मंत्री बनाया गया या कहा जाए तो अविभाजित कोरिया का बड़ा आदमी बनाया गया, ताकि लोगों की सेवाएं होती रहे और क्षेत्र का विकास अवरुद्ध न हो ऐसे पुरुष का एक अक्टूबर को जन्मदिवस मनाया जाता है।

ऐतिहासिक जन्मदिवस मनाने वालों में स्वार्थी भी पीछे नहीं रहे

ऐतिहासिक जन्मदिवस मनाने वालों में स्वार्थी भी पीछे नहीं थे, वह भी इस भीड़ में आगे चल रहे थे और बता रहे थे कि हमसे बड़ा स्नेही आपका कोई नहीं, आपके विषम परिस्थिति में भी हम आपके साथ थे और आज भी हम आपके साथ हैं, पर दुविधा तब उत्पन्न होती है जब यही स्नेही विधायक ना होने पर भी इतने ही आयोजन करते और स्वयं का पैसा लगाकर कार्यक्रम आयोजित करते तो शायद यह बात सही मानी भी जा सकती थी पर आज इस बात को सही माने या फिर सिर्फ स्वार्थ कहें, यह तो अब चर्चा का विषय बन चला है।

खूब कटे केक खूब बटी मिठाईयां

स्वास्थ्य मंत्री के जन्मदिवस पर खूब केक काटे गए और मिठाई भी खूब बंटी, फूल मालाओं से स्वागत हुआ, हर जगह पर रुक-रुक कर उनका स्वागत हुआ, सब चीज देखने को मिला और देखने को भी क्यों ना मिले क्योंकि स्वास्थ्य मंत्री बनने के बाद पहला जन्मदिवस था और इस जन्मदिवस पर भीड़ तो बढ़नी थी, क्योंकि पद बड़ा है और इस पद से लाभ लेने वालों की सोच भी बड़ी है... यही वजह थी कि जन्मदिन को ऐतिहासिक कहा जा सकता है क्योंकि जन्मदिवस दो दिनों से मनाया जा रहा था, अब जन्मदिवस के बाद स्वास्थ्य मंत्री को भी मनन चिंतन करना होगा पूर्व व वर्तमान की स्थितियों पर। कभी एक केक को तरसते पूर्व विधायक की हैसियत वाले आज के मंत्री को इतना मान मिला की वह गदगद नजर आए वहीं जिन्हे भी मौका मिला उन्होंने उन्हे सम्मानित करने का मौका नहीं छोड़ा।

क्या जन्म दिवस के बाद कोई बड़ी घोषणाएं करेंगे?

स्वास्थ्य मंत्री का जन्मदिवस भी काफी खर्चीला रहा और काफी पैसा लोगों ने खर्च किया वहीं कई जगह के सांस्कृतिक कार्यक्रम यह साबित कर गए की उनके जन्मदिवस पर मितव्ययता की बात करने वाली वर्तमान सरकार पैसे की बरबादी करती नजर आई। कुल मिलाकर देखा जाए तो यह कहना गलत नहीं होगा की उनका जन्मदिवस उनके लिए ही ऐतिहासिक रहा प्रदेश के लोगों के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए इस दिन उन्होंने कुछ किया नजर नही आया न सुनाई दिया। अब क्या जो उम्मीद जन्मदिवस के पूर्व था की वह कोई बड़ी घोषणा या ऐलान स्वास्थ्य विषय में करेंगे और प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए उनका पहला जन्मदिवस ऐतिहासिक होगा वह कहीं नजर नहीं आया। वैसे बता दें, अब यह लोगों की सोच है की वह कोई बड़ी घोषणा प्रदेश के लोगों के लिए स्वास्थ्य संबध में करेंगे क्योंकि उन्हें इस जन्मदिवस ज्यादा ही मान मिल पाया है।

ऐतिहासिक जन्मदिवस पर अधिकारी कर्मचारी भी पीछे नहीं थे

वैसे अधिकारी कर्मचारी भी पीछे नहीं थे कुछ बैकुंठपुर से भी रात में ही पहुंच गए थे और जी हुजूरी में लगे थे जबकि स्वास्थ्य मंत्री के विभाग से उनका कोई लेना देना नहीं था। वैसे उनके ही विधानसभा में कई ऐसे लोग भी उनके लिए खुद को कालीन बना लिए थे, जो पूर्व कांग्रेस विधायक के भी खास थे और अब स्वास्थ्य मंत्री के दिल के वह करीब हैं। वैसे स्वास्थ्य मंत्री के लिए मजबूरी का भी विषय है क्योंकि वह आम जनता के प्रति जितना आदर भाव नहीं साबित कर पाते उससे ज्यादा उन्हे चापलूसों के सामने साबित करना पड़ता है और वह खुद इस बात से आज तक शायद आश्वस्त नहीं हैं की वह जीते हैं या जिताए गए हैं? वैसे जिस तरह उनसे स्वार्थी लोग जुड़े हैं यह कहना गलत नहीं होगा की वह जीते नहीं जिताए गए हैं।

कैबिनेट मंत्री बनने के बाद इनका पहला जन्मदिवस था जो ऐतिहासिक देखने को मिला

कैबिनेट मंत्री बनने के बाद इनका पहला जन्मदिवस था जो ऐतिहासिक देखने को मिला, रायपुर से घर वापसी आने तक जगह-जगह इनका जन्मदिवस मनाया गया फूल माले से स्वागत किया गया और इन्हें जन्मदिवस की बधाई दी गई, साथ ही जन्मदिवस के दिन भी स्वास्थ्य मंत्री पूरे व्यस्ततम समय में व्यस्त रहे क्योंकि उनके लिए हर जगह कार्यक्रम आयोजित किया गया था और हर समर्थन वाले व्यक्ति ने अपने सामर्थ्य अनुसार उनके लिए कार्यक्रम आयोजित किया, कहीं छोटा तो कहीं बड़ा पर स्वागत तो उनका हर जगह हुआ, पूरा दिन ही जन्मदिन के स्वागत कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री व्यस्त रहे स्वास्थ्य मंत्री के जन्मदिन ऐतिहासिक इसलिए भी कहा जा सकता है क्योंकि उनके जन्मदिवस पर सैकड़ो केक काटे गए, साथ ही लड्डू से भी वह तौले गए, कई जगह सांस्कृतिक कार्यक्रम होते रहे और जो आगे होते रहेंगे यह भी उनका प्रयास है जो खुद वह मंच से बताते रहे जिन्हे इसका जिम्मा मिला है।

सोशल मीडिया पर स्वास्थ्य मंत्री को मिलती रही बधाई संदेश

सोशल मीडिया पर भी स्वास्थ्य मंत्री को बधाई संदेश मिलते रहे। हर किसी ने बधाई दी। सबसे ज्यादा बधाई उन्होंने दी जिन्हे ज्यादा कुछ उनसे उम्मीद थी वहीं उनका समय उन्हे मिला जो उनसे इस चुनाव में करीब से जुड़े। देखा जाए तो स्वास्थ्य मंत्री का यह जन्मदिवस उनके लिए ऐतिहासिक रहा प्रदेश के लिए एक राजा का भव्य जुलूस जैसा पहले से प्रथा थी चली आई वही समझ लिया जाए तो उससे ज्यादा कुछ नहीं था इस आयोजन में। लगा था की कुछ बदलेगा लेकिन लोकतंत्र में शाही अंदाज उनका नजर आया,प्रजा नतमस्तक होती गई राजा को बधाई देती रही वहीं राजा कुछ ज्यादा न दे सके न कुछ कर सके।

वैसे तो जन्मदिवस पर ही घोषणा होनी थी पर हुई नहीं

स्वास्थ्य मंत्री जन्मदिवस मनाते मनाते ही कोई बड़ी घोषणा स्वास्थ्य संदर्भ में करेंगे यह लोगों को उम्मीद थी लेकिन ऐसा हुआ नहीं, स्वास्थ्य मंत्री लड्डुओं और केक के बीच ही समय काटते दिनभर नजर आए। देखा जाए तो उनका स्वास्थ्य मंत्री के कार्यकाल वाला पहला जन्मदिवस जहां किसी बड़ी घोषणा या उपलब्धि के लिए माना जा रहा था जो वह सौगात स्वरूप प्रदेश की जनता को प्रदान करते वैसा हुआ नहीं और केवल केक और लड्डू फूल माला तक ही पूरा उनका दिनभर का व्यस्त कार्यक्रम चलता रहा।

साहब! पटना है क्या? ग्राम पंचायत या नगर पंचायत?

* पटना में कार्यालय का नाम मिटाना लिखना चल रहा खेल
* आनन फानन में सीएमओ बैठाया गया...फिर आनन फानन में हटाया गया
* बैंक भी दुविधा में ग्राम पंचायत का खाता चलाएं या नगर पंचायत का?

कोरिया का पटना मजाक बन गया है...ग्राम पंचायत कार्यालय मिटाकर नगर पंचायत कार्यालय लिखो... फिर नगर पंचायत कार्यालय मिटाकर ग्राम पंचायत कार्यालय लिखो...क्या प्रतियोगिता चल रही है?

3 महीने के लिए फिर से नगर पंचायत से ग्राम पंचायत हुआ 3 महीने वर्तमान सरपंच को और मिले कार्यकाल पूरा करने के लिए

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,02 अक्टूबर 2024
(घटती-घटना)।

कभी ग्राम पंचायत कभी नगर पंचायत, पटना की अंतिम तस्वीर क्या होगी अब इसको लेकर भले नगर पंचायत के चाहने वाले नगर पंचायत होना बता रहे हैं और ग्राम पंचायत के चाहने वाले ग्राम पंचायत होना बता रहे हैं लेकिन इस बीच लिपाई लिखाई पोताई मिटाई का काम जारी है, कभी नगर पंचायत लिखा देखा गया ग्राम पंचायत की जगह, अब पुनः ग्राम पंचायत का ही नाम पुनः मिटाकर लिखा गया है जो तीन महीनों तक अब कम से कम लिखा रहेगा यह तय है बता रहे हैं जो ग्राम पंचायत चाहते हैं।

बता दें की इस बीच बैंक भी असमंजस में है बताया जा रहा है क्योंकि जमा राशि जो पंचायत खाते की है उसको लेकर दोनों ही दावा कर रहे हैं एक तरफ नगर पंचायत के सीएमओ एक तरफ ग्राम पंचायत की टीम। असमंजस बना हुआ था बैंक का किसे वह हकदार माने क्या वह दूर हुआ इसको लेकर तो जानकारी अपुष्ट है लेकिन बताया जा रहा है और दिख रहा है की नाम लिखने मिटाने का सिलसिला जारी है। नगर पंचायत होने की और ग्राम पंचायत के कार्यकाल की समाप्ति की अधिसूचना कलेक्टर कोरिया ने जारी की यह ग्राम पंचायत के पक्षधर मानते हैं, वहीं यदि जिस आधार पर पुनः तीन माह के लिए माननीय उच्च न्यायालय के एक आदेश के तहत पुनः ग्राम पंचायत लिखे जाने की और बचे कार्यकाल को पूर्ण करने के विषय को देखा जाए तो बता दें की आदेश में स्पष्ट है की याचिका अमान्य की गई और और याचिका पुनः तब करने की छूट प्रदान की गई है जब याचिकाकर्ता को यह आभास हो की उसका अधिकार जो उसे एक अवधि विशेष के लिए मिला है वह छीना जा रहा है जो नहीं छीना जा रहा है यह उच्च न्यायालय ने भी आदेश में उल्लेखित किया है ऐसा अमान्य याचिका को पढ़ने वाले ने बताया। खैर उच्च न्यायालय के आदेश के कोई स्पष्ट उल्लेख की पुष्टि दैनिक घटती घटना नहीं करती लेकिन बता दें की आदेश में तीन माह का ही जिक्र है या बचे पंचायत कार्यकाल जो निर्वाचन अवधि पांच वर्ष वाले के आधार पर ही राहत मिली है जो स्पष्ट है। बताया यह भी जा रहा है की नगर पंचायत अब पटना बना ही रहेगा और अब नगरीय चुनाव ही आगामी होंगे वहां वहीं प्रदेश स्तर पर प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री से मिलने पहुंचा जरूर था जैसा बताया जा रहा है, लेकिन अब चिड़िया चुग गई खेत वाली बात हो गई है और ग्राम पंचायत बचाओ संघर्ष समिति का संघर्ष भी शायद इसे रोक पाने में असफल साबित होगा जो जानकर बता रहे हैं। वैसे पूरे मामले में दो लोगों को बड़ा नुकसान होने वाला है उनके साथ के लोगों को नुकसान होने वाला है यदि नगर पंचायत बना रहा तब वर्तमान सरपंच और उनके साथ के वह नुकसान में होंगे जो चुनाव लडने के इक्षुक हैं क्योंकि वह सरपंच के साथ दो तरफा पारी खेल रहे हैं जिसमे दोनो दलों के लोग हैं वहीं यदि ग्राम पंचायत ही यदि रहा पटना तब उन्हे नुकसान है जो यह चाहते हैं की अनारक्षित हो सीट और अंततः उन्हे लड़ने का मौका मिले।

क्या धुरंधरों का पहला नगर पंचायत पटना का नगर अध्यक्ष बनने का सपना होगा पूरा?

पटना नगर पंचायत बनने के बाद पहला चुनाव होगा और नगर पंचायत के इतिहास के पहले अध्यक्ष के सूची में शामिल होने की भी होड़ लगी रहेगी, क्योंकि यह इसलिए भी महत्वपूर्ण हो गया है क्योंकि नगर पंचायत का पहला अध्यक्ष बनाना भी अपने आप में एक इतिहास होगा, जिसे लेकर जोर आजमाइश जारी है कोई चाह रहा है कि आरक्षण में नगर अध्यक्ष पद ओबीसी हो जाए, तो कोई चाह रहा है कि जनरल रहे, पर वही कुछ लोगों का यह भी राय है कि पहला चुनाव अनरक्षित ही हो तो ज्यादा अच्छा है, क्योंकि पहले चुनाव में सभी को मौका मिलना चाहिए और सभी को अपना भाग आजमाना चाहिए जिसके भाग्य में अध्यक्ष बनना होगा वह बनेगा, जिस प्रत्याशी का जनाधार व व्यक्तित्व अच्छा होगा वही पटना का नगर अध्यक्ष होगा।

सामान्य व पिछड़ा वर्ग के लोग ठोक रहे ताल-

सामान्य व पिछड़ा वर्ग के लोग नगर अध्यक्ष को लेकर ज्यादा ताल ठोक रहे हैं उनमे अध्यक्ष बनने की लालसा कुछ ज्यादा ही समाई हुई है और प्रयास भी जारी यहां तक की सोशल मीडिया पर लड़ाई भी जारी हो चुकी है अभी से ही अध्यक्ष के दावेदारी से हटाने का प्रयास शुरू है, अब चुनाव को लेकर प्रत्याशीयों की उम्मीद आरक्षण रोस्टर पर ही टिकी है।

आरक्षण रोस्टर का हो रहा इंतजार

आरक्षण रोस्टर में नगर अध्यक्ष किस वर्ग का होगा इसे लेकर लोगों का इंतजार हो रहा है और आरक्षण रोस्टर पर ही लोगों का ध्यान है आरक्षण रोस्टर से ही अब प्रत्याशी के भाग का फैसला होना ऐसे में जनरल ओबीसी सभी वर्ग के प्रत्याशी आरक्षण रोस्टर आने का इंतजार कर रहे हैं।

जातिगत समीकरण अभी से ही बैठाया जाने लगा

नगर अध्यक्ष बनने के लिए जातिगत समीकरण शुरू हो गया है अपने-अपने हिसाब से लोग जाति समीकरण को सेट कर रहे हैं यहां तक की, मतदाताओं का गणना भी जारी हो गया है और किस समाज के मतदाता कितने हैं इसे लेकर अभी से ही समीकरण बैठाया जाने लगा, अब देखना यह है की ऊँट किस करवट बैठेगा और आरक्षण रोस्टर किसकी तरफ होगा।

बालको के विभिन्न पहल से सुरक्षित कार्यस्थल संस्कृति को मिल रहा बढ़ावा

-संवाददाता-
कोरबा,02 अक्टूबर 2024
(घटती-घटना)।

वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के सहयोग से प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया। यह प्रशिक्षण कर्मचारियों को सीपीआर, सामान्य घाव की देखभाल और आपात स्थितियों के प्रबंधन सहित आवश्यक जीवन रक्षक कौशल सीखाने पर केंद्रित था। चिकित्सा विशेषज्ञों ने सत्र का नेतृत्व किया जिसमें विभिन्न विभाग के कर्मचारी और व्यावसायिक साझेदारो ने भाग लिया जिसमें लगभग 160 कर्मचारी शामिल हुए। प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण के अलावा कंपनी ने कर्मचारियों के लिए सीपीआर और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रशिक्षण आयोजित किया। प्रशिक्षण को अनिवार्य रूप से जीवन रक्षक कौशल प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया था। कार्यक्रम आपात स्थितियों से निपटने के लिए प्रभावी कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) करने पर ध्यान केंद्रित था। प्रशिक्षण का उद्देश्य सुरक्षा को बढ़ाना, आपात स्थिति में प्रतिक्रिया समय को कम करना और आपातकालीन स्थितियों के लिए तैयारी सुनिश्चित करना था जो सुरक्षित कार्यस्थल वातावरण में योगदान देता है। इसके अलावा दो दिवसीय हाइड्रोलिक्स प्रशिक्षण सत्र कार्बन विभाग के कर्मियों को सुरक्षित और कुशल संचालन के लिए आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान किया। इस सत्र का नेतृत्व पार्कर हॅनिफ़िन कॉर्पोरेशन के श्री सुनील हाजिरनिस ने किया। हाइड्रोलिक्स को संभालने में उनका 35 से अधिक वर्षों का अनुभव हैं। विभाग के 20 कर्मचारियों ने प्रशिक्षण लिया। सुरक्षित कार्यस्थल की संकल्पना को सुनिश्चित करते हुए सभी ने हाइड्रोलिक्स संबंधित सुरक्षा की सभी बारीकियों को सीखा। बालको ने समुदाय की 60 से अधिक महिलाओं के लिए सड़क सुरक्षा कार्यशाला आयोजित किया। कार्यशाला सड़क के संकेतों को समझने एवं सीट-बेल्ट और हेलमेट के महत्व पर केंद्रित था। सत्र को प्रश्नोत्तरी समापन के साथ व्यावहारिक कौशल से लैस करते हुए प्रशिक्षण की प्रभावशीलता सुनिश्चित की गई। बालको की मासिक सुरक्षा अभियान 'सुरक्षा संकल्प' का आयोजन विभिन्न विभागों में किया गया। 'वाहन सुरक्षा और ड्राइविंग' पर आधारित कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों और व्यावसायिक भागीदारों के बीच सुरक्षित ड्राइविंग प्रथाओं और उचित वाहन रखरखाव के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है। कंपनी के जीरो हार्म की प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए दैनिक संचालन में सुरक्षा प्रोटोकॉल के महत्व से अवगत कराया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सभी कर्मचारियों के बीच सुरक्षा जागरूकता बढ़ाना है जो सुरक्षित कार्यस्थल बनाए रखने के लिए बालको की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।

कोरबा पुलिस ने जारी किया व्हाट्सएप हेल्पलाइन नंबर

-संवाददाता-
कोरबा,02 अक्टूबर 2024
(घटती-घटना)।

कोरबा पुलिस द्वारा दिनांक 02/10/2024 को गांधी जयंती के अवसर पर कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में मैत्री नामक बालिका और महिला सुरक्षा के लिए व्हाट्सएप हेल्पलाइन नंबर का शुभारंभ किया गया। सर्वप्रथम लखन लाल देवांगन (वाणिज्य और उद्योग श्रम मंत्री छत्तीसगढ़ शासन) के आगमन पर महात्मा गांधी के फोटो के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया गया। स्वागत पश्चात पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के द्वारा सजग कोरबा अभियान के तहत बालिकाओं और महिलाओं के लिए व्हाट्सएप हेल्पलाइन नंबर जिसका नाम मैत्री रखा गया है, के बारे में विस्तार से बताया जिसके तहत बिना थाने आए बालिकायें एवं महिलायें ह्वाट्सऐप के माध्यम से अपनी शिकायत पुलिस तक बता सकती

है जिसका निराकरण 96 घंटे में पुलिस के द्वारा किया जायेगा। मंत्री लखन लाल देवांगन कलेक्टर अजीत बसंत, पुलिस अधीक्षक एवं पार्षद श्री नरेंद्र देवांगन के द्वारा मैत्री ह्वाट्सऐप हेल्पलाइन नंबर 9479282100 को महिलाओं के लिए जारी किया गया है। तत्पश्चात् मंत्री जी के द्वारा अपने उद्बोधन में बताया कि मैत्री व्हाट्सएप हेल्पलाइन नंबर महिला सशक्तिकरण के लिए बहुत योगदान करेगा। इस नंबर के माध्यम से महिलाओं को अपनी बात रखने में और अपनी परेशानी को साझा करने में सुविधा मिलेगी। जिस पर पुलिस के द्वारा तुरंत संज्ञान में लिया जाएगा। इस दौरान कार्यक्रम में एडीएम दिनेश नाग, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोरबा यू.बी.एस चौहान, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कटघोरा श्रीमती नेहा वर्मा, सभी विभागों के प्रमुख और मीडिया उपस्तिथ थे ।

चाकू की नोक पर लूट,उच्च अधिकारी के संज्ञान पर दो अज्ञात पर मामला दर्ज

-संवाददाता-
एमसीबी,02 अक्टूबर 2024
(घटती-घटना)।

एमसीबी जिले के थाना चौकी खोगापानी क्षेत्र में दो अज्ञात चोरों ने चाकू की नोक पर लूटपाट की घटना को अंजाम दिया। मनेन्द्रगढ़ जिला मुख्यालय के आमाखेरवा क्षेत्र में अज्ञात चोरों का आतंक लगातार जारी है। बीते कुछ दिनों से लगातार हो रही चोरी की घटनाओं को मीडिया द्वारा प्रमुखता से प्रकाशित किया गया, लेकिन पुलिस अब तक चोरों को पकड़ने में असफल रही है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि एमसीबी जिले के कुछ पुलिसकर्मी पिछले 10-15 वर्षों से जिला कोरिया और एमसीबी में तैनात हैं और कहीं अन्यत्र जाने को तैयार नहीं हैं। उनका मानना है कि जब तक यहां स्थानीय पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे, अपराधों पर नियंत्रण पाना मुश्किल रहेगा। इसके चलते अवैध गतिविधियों का बोलबाला बढ़ता जा रहा है और पुलिस विभाग की छवि धूमिल हो रही है।

यह है मामला

इसी कड़ी में, बीते शनिवार रात 1 से 1ः30 बजे के बीच, अज्ञात चोरों ने नगर पंचायत खोंगापानी के वार्ड नंबर 14, क्वार्टर नंबर 02 में चाकू की नोक पर सेंध लगाकर नगद डेढ़ लाख रुपये और ज्वेलरी लूट की घटना अंजाम दिए। आवेदक राजकुमार केवट ने खोंगापानी चौकी में लिखित शिकायत दी, लेकिन चौकी प्रभारी राकेश शर्मा ने मौके पर पहुंचने के बावजूद एफआईआर दर्ज करने में विलम्ब की। सोमवार को मीडिया ने घटनास्थल का दौरा किया, जहां आवेदक की पत्नी ने विस्तार से पूरी घटना की जानकारी दी। सवाल यह उठता है कि पुलिस प्रशासन की प्राथमिकता नागरिकों की सुरक्षा होनी चाहिए। चाकू की नोक पर लूटपाट और फिर शिकायत दर्ज करने में देरी क्या सही है? ऐसे में आम जनता पुलिस पर कैसे भरोसा करेगी?

मीडिया द्वारा इस मामले की जानकारी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अशोक वाडेगावंकर को दी गई

जिन्होंने चौकी प्रभारी राकेश शर्मा से मामले की जांच करने का आश्वासन दिया इसके बाद, उच्च अधिकारी के संज्ञान में आने के 24 घंटे बाद, 30 सितंबर को शाम 7 बजे, खोंगापानी चौकी में अज्ञात दो लोग पर मामला दर्ज किया गया। अब देखने वाली बात यह होगी कि चौकी प्रभारी राकेश शर्मा इस चोरी की गुत्थी को कब तक सुलझा पाते हैं।

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202409020700194

विषयः-अ-27 मामले की श्रेणीः-
राजस्व सन्ः-2023-24

नमनाकला प.ह.नं.00020(हे.)
पक्षकारों का विवरणः-
आवेदक पक्षकार-रीना यादव,सीमा यादव,दिलीप यादव,
अनावेदक पक्षकार-रीना यादव, दिलीप यादव,सीमा यादव

ईश्तहार

आवेदिका रीना यादव पति स्व0 अजीत यादव निवासी पटपरिया, तहसील, अम्बिकापुर, जिला सरगुजा,छ0ग0 के द्वारा ग्राम नमनाकला स्थित खसरा नंबर 157/30, 157/583 रकबा क्रमशः 0.044, 0.426 हे0 भूमि को उभयपक्ष के मध्य में मकान एवं कब्जा के अनुसार आपसी बटवारा किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 28/10/2024 के पुर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावाआपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 27/08/2024 को जारी किया जाता हैं।

सील

तहसीलदार
अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी सूरजपुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्रं0..../अ-20(3)
-:: ईश्तहार ::-
आगामी तिथि 15/10/2024

इस सार्वजनिक ईश्तेहार के जरिए सर्व साधारण आम जनता/संस्था/विभाग को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक शिवनंदन आ0 रामसुन्दर,उम्र लगभग 75 वर्ष,जाति तेली निवासी सेन्ट्रल बैंक गली सूरजपुर, थाना सूरजपुर जिला सूरजपुर (छ.ग.) के द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर लेख किया गया है कि आवेदक/दानकर्ता के नाम पर नजूल भूमि प्लाट नम्बर1923, 1878/1, 1922/1, रकबा क्रमशः 4791, 1742, 7295 वर्गफीट कुल 03 प्लाट कुल रकबा 13828 वर्गफीट भूमि स्थित है। उक्त भूमि को अपने पुत्र/दानग्रहिता को दान में देने अनुमति प्रदाय किए जाने का अनुरोध किया गया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन लंबित है।

अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था/विभाग को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक/लीगल एजेंट के माध्यम से इस न्यायालय में दिनांक 15/10/2024 को न्यायालयीन अवधि में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति के संबंध में कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 30/09/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

सील

नजूल अधिकारी
सूरजपुर

न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)

-:: ईश्तहार ::-
रा0प्र0क्रं0..../अ-21(1) 2023-24
ग्राम-गोपालपुर

सर्व साधारण ग्राम गोपालपुर को एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक अब्दुल जीशान आ0 स्व0 मो0 रफी जाति मुसलमान निवासी ग्राम महगवां तहसील व जिला-सूरजपुर (छ0ग0) के द्वारा ग्राम गोपालपुर प0ह0न0 09 तहसील सूरजपुर स्थित भूमि व्यपवर्तित खसरा नं0 626/10 रकबा 0.032 हे0 भूमि को अनावेदक विनोद कुमार मित्तल आ0 स्व0 टेकचंद मित्तल जाति अग्रवाल निवासी ग्राम सूरजपुर के पास विक्रय करने हेतु रू0 5,00,000/- में तय कर अग्रिम राशि चेक क्रमांक 000001 के माध्यम से 5,00,000/- प्राप्त कर चुका है। शेष रकम पंजीयन के समय प्राप्त करने की बात तय हुई। उक्त आवेदित भूमि व्यपवर्तित होने के कारण भूमि बिक्री करने के पूर्व अनुमति बाबत श्रीमान कलेक्टर महोदय सूरजपुर के समक्ष आवेदन पत्र प्रस्तुत करने से जांच कार्यवाही पूर्ण कर प्रतिवेदन हेतु प्राप्त हुआ है। जिस पर भूमि बिक्री की कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या हितबद्ध पक्षकार तथा किसी संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 08/10/2024 समय दोपहर 1.00 बजे इस न्यायालय में अपना स्वयं अथवा अपने अधिकृत अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति/दावा प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति/दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 12.09.2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील

तहसीलदार
सूरजपुर
जिला-सूरजपुर(छ.ग.)

रविवार को फिर आमने-सामने होंगे भारत-बांग्लादेश

नईदिल्ली, 02 अक्टूबर 2024। भारत और बांग्लादेश के बीच टेस्ट सीरीज तो खत्म हो गई है, जिस पर टीम इंडिया ने कब्जा कर लिया है, लेकिन अभी टी20 इंटरनेशनल मैचों की सीरीज बाकी है। अभी तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलनी जानी है, इसमें खास बात ये है कि टी20 के लिए बीसीसीआई की ओर से टेस्ट से अलग टीम चुनी गई है। एक बार फिर सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारत की यंग ब्रिगेड मैदान में उतरेगी। इस बीच आपको जानना चाहिए कि टी20 सीरीज के मैचों का शेड्यूल क्या है, ये मैच कहां खेले जाएंगे और इनके शुरू होने का वक्त क्या है।

भारत बनाम बांग्लादेश सीरीज का पहला मैच 6 अक्टूबर को ग्वालियर में

भारत बनाम बांग्लादेश टी20 सीरीज का पहला मैच 6 अक्टूबर को खेला जाएगा। ये मैच ग्वालियर में होना है। ग्वालियर में काफी लंबे अर्से बाद कोई इंटरनेशनल मैच होने जा रहा है, इसलिए वहां के फैंस के बीच मुकाबले को लेकर गजब का रोमांच देखने के लिए मिल रहा है। इसके बाद नौ अक्टूबर को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में भारत और बांग्लादेश के बीच दूसरा टी20 मैच खेला जाएगा। सीरीज का तीसरा और आखिरी मैच 12 अक्टूबर को होगा। ये मैच हैदराबाद में है। इसके साथ ही बांग्लादेश का भारत दौरा खत्म हो जाएगा। सभी मैच भारतीय समय अनुसार शाम को सात बजे से खेले जाएंगे।

सूर्यकुमार यादव संभालेंगे कप्तानी की जिम्मेदारी

सीरीज के लिए कप्तानी की जिम्मेदारी सूर्यकुमार यादव को दी गई है। वहीं हार्दिक पांड्या उनके साथ सीनियर खिलाड़ियों की भूमिका में नजर आएंगे। हालांकि बीसीसीआई ने इस सीरीज के लिए किसी भी खिलाड़ी को उपकप्तानी की जिम्मेदारी नहीं दी है। मयंक यादव और नितीश कुमार रेड्डी को पहली बार भारतीय टीम से खेलने का मौका मिल सकता है। इस बीच माना जा रहा है कि संजू सैमसन नई भूमिका में दिखाई दे सकते हैं। हो सकता है कि उन्हें अभिषेक शर्मा के साथ पारी का आगाज करने का मौका मिले। हालांकि ये सारी चीजें तभी साफ होंगी, जब सीरीज करीब आएगी। टीम इंडिया की कोशिश होगी टेस्ट सीरीज की ही तरह टी20 सीरीज में भी बांग्लादेश का पूरी तरह से सफाया किया जाए। भारत बनाम बांग्लादेश टी20 सीरीज के लिए टीम इंडिया- सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, हार्दिक पंड्या, रियान पराग, नितीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, वरुण चक्रवर्ती, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, मयंक यादव।

संक्षिप्त खेल की खबरें

नंबर वन टेस्ट गेंदबाज बने जसप्रीत बुमराह

नईदिल्ली, 02 अक्टूबर 2024। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह मौजूदा समय के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज माने जाते हैं। फॉर्मेट चाहे कोई भी हो बुमराह को खेलना किसी भी गेंदबाज के लिए काफी मुश्किल होता है। ताजा जारी आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में जसप्रीत बुमराह पहला स्थान हासिल किया है। उन्होंने भारतीय टीम के ही अपने साथी को पछाड़ते हुए पहला स्थान हासिल किया है जसप्रीत बुमराह ने 870 अंक के साथ आईसीसी की टेस्ट रैंकिंग में पहला स्थान हासिल कर लिया है। बुमराह ने भारतीय टीम के दिग्गज गेंदबाज ऑफ स्पिनर आर अश्विन को पछाड़ते हुए पहला स्थान हासिल है। 869 अंक के साथ आर अश्विन दूसरे स्थान पर हैं. टॉप 10 में तीसरे भारतीय गेंदबाज रवींद्र जडेजा हैं। जडेजा 809 अंक के साथ छठे स्थान पर हैं।

क्यों जीत के बाद भी बढ़ी टीम इंडिया की टेंशन?

नईदिल्ली, 02 अक्टूबर 2024। महिला टी20 विश्व कप 2024 का खिताब जीतने के इरादे से हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में टीम इंडिया यूएई में

मैदान में है। भारतीय खिलाड़ियों ने शुरुआत भी अच्छी की है और वार्म-अप मैच में पहले वेस्टइंडीज और फिर दक्षिण अफ्रीका को हराया। लेकिन इस खुशी के मौके पर भी टीम थोड़ी परेशान है, और वजह है फ्लॉप टॉप ऑर्डर।
शेफाली वर्मा, स्मृति मंधाना और कप्तान हरमनप्रीत कौर टीम इंडिया की शुरुआती तीन मुख्य बल्लेबाज हैं। टूर्नामेंट में इनका बल्ला चलना टीम इंडिया के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि बड़ी टीमों के खिलाफ टीम इंडिया पूरी तरह इन बल्लेबाजों पर निर्भर होगी। लगातार दोनों वार्म-अप मैचों में इन बल्लेबाजों का खामोश बल्ला टीम की टेंशन बढ़ा सकता है।

जायसवाल और सिराज को मिला सर्वश्रेष्ठ फील्डर का खिताब

नईदिल्ली, 02 अक्टूबर 2024। बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को कानपुर टेस्ट में सात विकेट से शानदार जीत दर्ज करने के बाद सीरीज के सर्वश्रेष्ठ फील्डरों का खिताब मिला। बीसीसीआई डॉट टीवी पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में, भारत के फील्डिंग कोच टी दिलीप ने बताया कि जायसवाल और सिराज ने कप्तान रोहित शर्मा और केएल राहुल को पीछे छोड़ते हुए श्रृंखला में सर्वश्रेष्ठ फील्डर का तमगा हासिल किया।
उन्होंने कहा, इस बार हमारे पास बेस्ट फील्डर के लिए दो विजेता हैं। इस सीरीज में खिलाड़ियों ने शानदार फील्डिंग का उदाहरण पेश किया। दोनों टेस्ट मैचों में हमने कई अच्छे कैच लपके, जो वास्तव में सराहनीय है। मुझे लगाता है कि दो लोग इस पदक के हकदार थे और वह कोई और नहीं बल्कि जायसवाल और सिराज थे। सीरीज में भारत की कैचिंग बेहतरीन रही और दिलीप ने खेल के इस पहलू में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए पूरी टीम की प्रशंसा की।
हालांकि रोहित को पदक नहीं मिला, लेकिन दिलीप ने उनकी फील्डिंग स्किल्स की खूब तारीफ की। उन्होंने कहा कि जब कैचिंग की बात आती है, तो मुझे लगता है कि वह सबसे ज्यादा भरोसेमंद है।
राहुल के बारे में बात करते हुए दिलीप ने कहा, वह ऐसा खिलाड़ी है जिसने वाकई अपनी मजबूत सजगता दिखाई है और जब कैचिंग की बात आती है तो वह वाकई बहुत ही शांत रहता है और बहुत ही बेहतरीन काम करता है।

बांग्लादेश पर शानदार जीत के साथ भारत ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में अपने अंक प्रतिशत को 74.24 तक पहुंचा दिया है और अपनी शीर्ष स्थिति को मजबूत किया है।
भारत अब न्यूजीलैंड के साथ तीन मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज खेलेगा, जिसकी शुरुआत 16 अक्टूबर को बेंगलुरु में होगी, उसके बाद पुणे और मुंबई में मैच खेले जाएंगे।

आईसीसी महिला टी 20 वर्ल्ड कप 2024 का आगाज आज से

भारत-पाकिस्तान का टकराव 6 अक्टूबर 2024 को

नईदिल्ली, 02 अक्टूबर 2024। आईसीसी महिला टी 20 वर्ल्ड कप 2024 का आगाज 3 अक्टूबर से होगा। पहला मैच बांग्लादेश और स्कॉटलैंड के बीच होगा। वहीं, भारतीय महिला टीम अपने पहले मैच में 4 अक्टूबर को न्यूजीलैंड से भिड़ेगी। ये मुकाबला दुबई में खेला जाएगा। हालांकि, फैंस को भारत और पाकिस्तान मैच का बेसब्री से इंतजार है। भारत और पाकिस्तान महिला टी20 वर्ल्ड कप 2024 रविवार 6 अक्टूबर को खेला जाएगा। भारत और पाकिस्तान महिला टी20 वर्ल्ड कप मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 3.30 बजे शुरू होगा। भारत और पाकिस्तान टी20 वर्ल्ड कप मैच दुबई के इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा।

कप्तानी से इस्तीफा देने के बाद सोशल मीडिया पर ट्रोल हुए बाबर आजम

नईदिल्ली, 02 अक्टूबर 2024। बाबर आजम ने हाल ही में पाकिस्तान की वनडे और टी20 टीम की कप्तानी से इस्तीफा दिया, जिसके बाद सोशल मीडिया पर कई लोगों ने उन पर कटाक्ष किया। बाबर आजम हालिया समय में खराब बल्लेबाजी से जूझ रहे थे।
बाबर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करके जानकारी दी कि उन्होंने वनडे और टी20 की कप्तानी से इस्तीफा देने का फैसला किया है और सितंबर में ही पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और टीम प्रबंधन को इसकी सूचना दे दी थी।
इसके बाद कई फैन्स ने उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया। किसी ने लिखा, बाबर आजम ने वनडे और टी20 की कप्तानी छोड़ दी (दूसरी टीमों के लिए दुखद दिन)।
एक और यूजर ने लिखा, बाबर आजम के इस्तीफे 2, बाबर आजम की 6 टूर्नामेंट्स में ट्रॉफियां 0।
किसी और ने कहा, बाबर आजम ने फिर से पाकिस्तान की कप्तानी छोड़ दी। वह अपनी निजी तरक्की देख रहे हैं, टीम की नहीं।

कप्तानी छोड़ने के बाद भी टीम के लीडर की भूमिका में बने रहेंगे टिम साउदी

वेलिंग्टन, 02 अक्टूबर 2024। टिम साउदी ने न्यूजीलैंड टेस्ट कप्तान के पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने यह फैसला श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में सूपड़ा साफ होने के बाद लिया है। अब टॉम लैथम न्यूजीलैंड की टेस्ट टीम के कप्तान होंगे।टॉम लैथम, जिन्होंने पहले 9 बार टेस्ट टीम की कप्तानी की है, अगले शुक्रवार को भारत दौरे पर साउदी सहित 15 सदस्यीय टेस्ट टीम की कमान संभालेंगे।

मोहम्मद शमी पर बॉर्डर-गावस्कर सीरीज से भी बाहर होने का खतरा

नईदिल्ली, 02 अक्टूबर 2024। हाल ही में बांग्लादेश को टेस्ट सीरीज में 2-0 से रौंदने वाली भारतीय टीम की चिंता बढ़ गई है। टीम इंडिया की मुश्किल बढने की वजह हैं तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी। शमी को लेकर एक ऐसी खबर आई है जो न सिर्फ उनके लिए बल्कि भारतीय टीम के लिए घातक है। शमी पर बॉर्डर-गावस्कर सीरीज से बाहर होने का खतरा बढ़ गया है।
मोहम्मद शमी से जुड़ी खबर ये है कि राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में रिहैब के दौरान उनका पैर इंजर्ड हो गया है जिसकी वजह से उनके घुटने में सूजन में आ गई है। सूजन की वजह से फिलहाल वे अभ्यास से दूर हैं और रिकवरी पर ध्यान दे रहे हैं। रिपोर्टों के मुताबिक शमी को पूरी तरह फिट होने में 8 से 10

सप्ताह का समय लग सकता है। इसका अर्थ ये हुआ कि वे न्यूजीलैंड टेस्ट सीरीज से तो बाहर होंगे ही ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली 5 टेस्ट मैचों की बॉर्डर गावस्कर सीरीज में उनके लिए संशय की स्थिति पैदा हो गई है. अगर समय पर रिकवरी नहीं होती है तो वे इस सीरीज से भी बाहर हो सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहला टेस्ट 22 नवंबर से शुरु हो रहा है। मोहम्मद शमी वनडे विश्व कप 2023 में भारतीय टीम के लिए सबसे बड़े स्टार साबित हुए थे। शमी ने 7 मैचों में 24 विकेट लिए थे। हालांकि टूर्नामेंट के दौरान ही वे इंजरी से जूझ रहे थे। विश्व कप के बाद जनवरी 2024 में उनके पैर का ऑपरेशन हुआ था। पिछले 8 महीने से वे फिटनेस पर काम कर रहे हैं। उन्होंने पिछले दिनों गेंदबाजी भी शुरु कर दी थी लेकिन नई इंजरी उनकी और टीम इंडिया की मुसीबत को बढ़ाने वाली है। मोहम्मद शमी ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज के लिए बेहद जरुरी गेंदबाज हैं। स्पिड के साथ उनकी स्विंग कमाल कर सकती है। अबतक खेले 64 टेस्ट मैचों में वे 229 विकेट ले चुके हैं। इस दौरान वे 6 बार पारी में 5 या उससे अधिक विकेट ले चुके हैं।

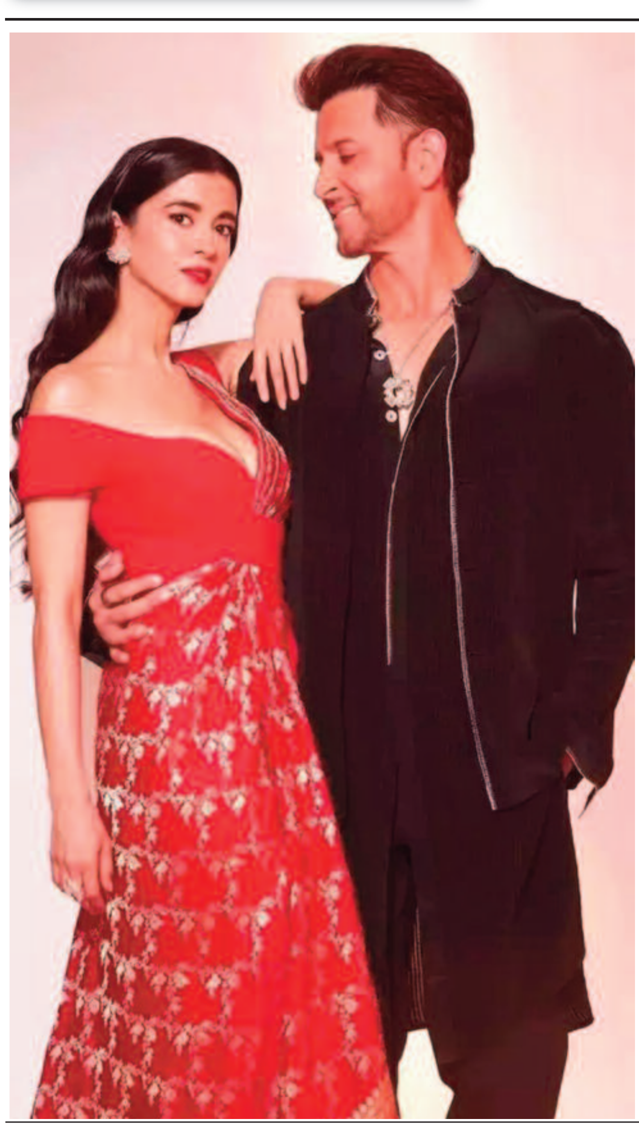

ऋतिक रोशन और सबा आजाद की तीसरी एनिवर्सरी पर एक्स वाइफ सुजैन ने किया कॉमेंट

सुपरस्टार ऋतिक रोशन अपनी पार्टनर सबा आजाद के साथ अपने रिलेशनशिप की तीसरी एनिवर्सरी मना रहे हैं। ऋतिक ने अपने इंस्टाग्राम पर एक्ट्रेस और सिंगर सबा के साथ अपनी एक तस्वीर शेयर की। अपनी तस्वीर शेयर कर उन्होंने सबा को बधाई दी। इन तस्वीर पर ऋतिक की एक्स वाइफ ने भी कॉमेट किया है।
ऋतिक ने कैप्शन में लिखा, हैप्पी एनिवर्सरी पार्टनर । एक्टर ने तारीख लिखी है, जिससे साफ है कि वे 1 अक्टूबर के दिन ही मिले थे। ऋतिक और सबा की इस तस्वीर पर सुजैन खान ने लिखा है- सुपर पिक। हैप्पी एनिवर्सरी और इसी के साथ उन्होंने लव इमोजी भी शेयर की है।

इस पोस्ट पर कपल को 3 साल पूरे होने पर बधाई

इसके अलावा काफी लोगों ने एक्टर के इस पोस्ट पर कपल को 3 साल पूरे होने पर बधाई दी है। वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं जो उनकी आलोचना करने से बाज नहीं आ रहे। एक ने कहा- ऋतिक के इतने बुरे दिन आएंगे सोचा न था। वहीं कुछ ने कहा- इससे अच्छी तो पहले वाली के साथ आप लगते थे। एक ने कहा- ब्रो..ये भाई का एडवाइस है...आपको और अच्छी मिल सकती है। फोटो में दोनों एक्टर्स ने जिस तरह का पोज दिया है उसे देखकर कई लोगों को ऋतिक की फिल्म वाले जादू की याद आ गई। एक ने कहा- ऐसा लग रहा आप कोई मिल गया वाले जादू को डेट कर रहे हैं।

करण जौहर के बर्थडे पर सबा के साथ अपने रिश्ते को ऑफिशियल किया था

बता दें कि ऋतिक ने साल 2022 में करण जौहर के 50वें बर्थडे पार्टी में सबा के साथ अपने रिश्ते को ऑफिशियल किया था। दोनों हाथों में हाथ डाले पहुंचे थे। सबा एक मल्टी टैलेंटेड आर्टिस्ट हैं। वह एक्ट्रेस भी है, थिएटर डायरेक्टर और सिंगर हैं। सबा ने म्यूजिक की दुनिया में भी अपनी पहचान बनाई है।

ऋतिक ने 24 साल पहले सुजैन खान से शादी रचाई थी

सबा रॉकेट बॉयज, लेडीज रूम और हूज योर गाइनेक जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। ऋतिक ने पहले सुजैन खान से शादी रचाई थी। दोनों की शादी 24 साल पहले 20 दिसंबर, 2000 को हुई थी। साल 2006 में उन्हें पहला बेटा रिहान हुआ औप मई 2008 में छोटे बेटे ऋदान का जन्म हुआ।

तलाक के पीछे की वजह के बारे में कोई जानकारी नहीं

ऋतिक और सुजैन ने 13 दिसंबर, 2012 को आपसी सहमति से अलग होने की घोषणा करके सभी को चौंका दिया था। हालांकि, इस बात ने कई लोगों को हैरान कर दिया कि दोनों के बीच क्या गलत हो सकता है, लेकिन इस जोड़े ने अपनी तलाक के पीछे की वजह के बारे में कोई और जानकारी देने से इनकार कर दिया।

ऋतिक ने कहा था- अलग होने का फैसला सुजैन का

सोशल मीडिया हैंडल पर ऋतिक ने इस बारे में ऑफिशियल बयान लिखा था। उन्होंने कहा था, सुजैन ने मुझसे अलग होने और हमारे 17 साल के रिश्ते को खत्म करने का फैसला किया है। यह पूरे परिवार के लिए बहुत मुश्किल समय है।

भोजपुरी अदाकारा मोनालिसा का रेड मोनिकिनी में दिखा बोल्ड अवतार

भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा हमेशा अपने लेटेस्ट लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फैंस को दीवाना बनाए रहती हैं। उनका स्टनिंग अंदाज इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है।अब मोनालिसा ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ हॉट तस्वीरें साझा की हैं, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों में मोनालिसा ने एक रेड मोनिकिनी पहनी है, जिसमें उनका बोल्ड अवतार नजर आ रहा है। मोनालिसा ने लाइट मेकअप के साथ खुले बालों में शानदार पोज दिए हैं, जो उनकी खूबसूरती को और बढ़ा रहे हैं। उनकी यह तस्वीरें फैंस के बीच चर्चा का विषय बनी हुई हैं, और उन्हें देखकर कई लोग दंग रह गए हैं.एक्ट्रेस मोनालिसा भोजपुरी इंडस्ट्री की बेहतरीन एक्ट्रेसेस में से एक हैं। उन्होंने अपने स्टनिंग फैशन सेंस से लोगों को इस कदर दीवाना बनाया हुआ है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं। एक्ट्रेस इंडियन हो या फिर वेस्टर्न अपने हर लुक में बवाल लगती हैं। उनका स्टनिंग अंदाज देखकर अक्सर फैंस मदहोश हो जाते हैं।मोनालिसा की हॉटनेस और आत्मविश्वास ने फैंस को मंत्रमुग्ध कर दिया है, और उनकी इस पोस्ट पर सकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री में अपने अद्भुत अभिनय और आकर्षक लुक्स के लिए जानी जाने वाली मोनालिसा ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह दर्शकों की पसंदीदा अदाकारा हैं।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)